लखनऊ

रविवार, 26 अप्रैल, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 242

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"मंज़िल देर से जरूर मिलती है, लेकिन मेहनत करने वालों को कभी खाली हाथ नहीं लौटाती।"

TODAY WEATHER

DAY 42° Hi

NIGHT 26° Low

शांति की मांग लेकर सीएम आवास घेरेने निकले हजारों लोग, पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले

इंफाल। मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। शनिवार को प्रदेश की राजधानी इंफाल में स्थायी शांति की मांग को लेकर मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच कर रहे हजारों प्रदर्शनकारियों की पुलिस के साथ झड़प हुई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा बलों को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। यह विरोध प्रदर्शन मैतेई संगठन कोऑर्डिनेटिंग कमेटी ऑन मणिपुर इंटीग्रिटी के बैनर तले आयोजित किया गया था। मणिपुर की अखंडता के लिए काम करने वाली सीओसीओएमआई के आह्वान पर हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर उतरे। ये प्रदर्शनकारी शहर के विभिन्न हिस्सों से चार अलग-अलग रैलियों के रूप में मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ रहे थे। हालांकि, पुलिस और अतिरिक्त सुरक्षा बलों ने पहले ही बाबूपाड़ा स्थित मुख्यमंत्री आवास के चारों ओर सुरक्षा का कड़ा पहरा लगा रखा था। केसामपत जंक्शन, कांगला गेट, कोनुंग ममांग और मोइरांगखोंग जैसे प्रमुख स्थानों पर भारी बैरिकेडिंग की गई थी। अधिकारियों के अनुसार, जब भीड़ ने इंफाल पूर्वी जिले के खुरई लामलोंग इलाके में बैरिकेड्स तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की, तो पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। यह इलाका मुख्यमंत्री आवास से महज दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

'सत्ता से बाहर होंगी ममता, पहले चरण में भाजपा जीतेगी 110 सीटें', पूर्व वर्धमान में गरजे शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के पूर्व वर्धमान में एक जनसभा में सत्ताधारी दल टीएमसी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर करारा हमला बोला है। अमित शाह ने चुनावी रैली में कहा- पहले चरण के मतदान में ही भाजपा 110 सीटें जीतेगी; ममता बनर्जी सत्ता से बाहर हो जाएंगी। उन्होंने आगे कहा कि टीएमसी ने सीएए लागू करने से इनकार कर दिया है और बंगाल में भाजपा को सत्ता में लाने का वादा किया है ताकि मतुआ समुदाय के सभी लोगों को नागरिकता मिल सके।

इस दौरान अमित शाह ने कहा कि पूरे बंगाल में घूमता-घूमता आज मैं जमालपुर में आया हूं। टीएमसी की जगह यहां कमल फूल की सरकार बनेगी, भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने आगे कहा, 'ममता सरकार में 15 साल में सबसे ज्यादा संत्रास अगर किसी पर हुआ है तो माताओं-बहनों पर हुआ है। आरजी कर, संदेशखाली, कोलकाता लॉ कॉलेज, दुर्गा लॉ कॉलेज... हर जगह पर माताओं-बहनों के साथ अत्याचार हुआ। और ये दीदी कहती हैं कि माताएं-बहनें सात बजे के बाद घर के बाहर न निकलें, लेकिन मैं बताकर जाता हूं कि 5 तारीख के बाद छोटी बच्ची भी रात को एक बजे निकलेगी और कोई गुंडा आंख उठाकर भी नहीं देख पाएगा।

'मतुआ समुदाय के लोगों को अब डर में जीने की जरूरत नहीं'

गृह मंत्री ने इस दौरान कहा कि मतुआ समुदाय के लोगों को अब डर में जीने की जरूरत नहीं है। ये दीदी सीएए कानून को लागू नहीं करती है। आप कमल फूल की सरकार बना दो, 5 तारीख के बाद सभी मतुआ समाज के भाईयों-बहनों को नागरिकता देने का काम भाजपा की सरकार करेगी। दीदी के गुंडे मतदान के दौरान मतदाताओं को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं इन गुंडों को स्पष्ट चेतावनी देना चाहता हूं। 29 अप्रैल को घर से बाहर मत निकलना। अभी हम सिर्फ आपको आगाह कर रहे हैं। क्योंकि 5 मई के बाद आपको जेल भेज दिया जाएगा।

अमित शाह ने राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि आज पूरा बंगाल सिंडिकेट से त्रस्त है। आपको सीमेंट लेना तो सिंडिकेट को पैसा देना पड़ता है, ईंट लेनी है तो सिंडिकेट को पैसा देना पड़ता है, बालू लेना है तो सिंडिकेट को पैसा देना पड़ता है... इन सिंडिकेट वालों को भाजपा की सरकार बंगाल की खाड़ी में डालने का काम करेगी। उन्होंने कहा, बंगाल में घुसपैठिए हमारे युवाओं की नौकरी खा रहे हैं, हमारे गरीबों का राशन खा रहे हैं। दीदी और भाइपो वोटबैंक के लिए घुसपैठिए को पालते हैं।

संक्षेप

क्या कर्नाटक में हिंदू होना अपराध है?: छात्रों से जनेऊ उतरवाने के आरोपों पर भाजपा ने कांग्रेस को आड़े हाथ लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा ने शनिवार को कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर हिंदू विरोधी मानसिकता और दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। यह राजनीतिक विवाद उस समय खड़ा हो गया जब कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (CET) देने पहुंचे कुछ छात्रों से कथित तौर पर जनेऊ उतारने को कहा गया। घटना के सामने आते ही राज्य की राजनीति गरमा गई और बीजेपी ने कांग्रेस सरकार को घेरना शुरू कर दिया। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को शहर के कॉलेज में परीक्षा केंद्र पर CET परीक्षा आयोजित की गई थी। आरोप है कि यहां परीक्षा देने पहुंचे पांच ब्राह्मण छात्रों से जनेऊ (यज्ञोपवीत) हटाने को कहा गया। छात्रों ने दावा किया कि मडिवाला क्षेत्र स्थित केंद्र पर तैनात जांच कर्मियों ने उन्हें स्पष्ट रूप से कहा कि यदि परीक्षा हॉल में प्रवेश करना है तो पहले जनेऊ उतारना होगा। जनेऊ हिंदू धर्म, विशेष रूप से ब्राह्मण समुदाय में, एक पवित्र धागा माना जाता है, जिसे शरीर पर धारण किया जाता है। ऐसे में छात्रों ने इस निर्देश पर आपत्ति जताई और मामले ने जल्द ही तूल पकड़ लिया। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि छात्रों को जनेऊ उतारने के लिए मजबूर किया गया है, वही जनेऊ जिसे राहुल गांधी ने चुनाव प्रचार के दौरान पहना था। जिस तरह पश्चिम बंगाल की मौजूदा सरकार जल्द ही सत्ता से बाहर हो जाएगी, उसी तरह कर्नाटक में भी सत्ता परिवर्तन होगा। मामला सामने आने के बाद शहजाद पूनावाला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो जारी कर कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि क्या कर्नाटक में हिंदू होना अपराध है? छात्रों को परीक्षा केंद्र में जाने से रोका गया और उन्हें क्रूर विकल्प दिया गया, अपना धर्म चुनो या अपना भविष्य। उन्होंने दावा किया कि ऐसी घटना पिछले वर्ष भी सामने आई थी।

के कविता ने अपनी राजनीतिक पार्टी लॉन्च की, बीआरएस से सस्पेंड होने के बाद बनाई टीआरएस

हैदराबाद। तेलंगाना के पूर्व सीएम के चंद्रशेखर राव की बेटी और बीआरएस की पूर्व नेता के कविता ने आज अपनी पार्टी लॉन्च कर दी है। के कविता की पार्टी का नाम तेलंगाना राष्ट्र सेना है। महीनों पहले के कविता को उनके ही पिता की पार्टी बीआरएस से निलंबित कर दिया गया था। के कविता को बीते साल बीआरएस से निलंबित किया गया था। के कविता की नई पार्टी की लॉन्चिंग हैदराबाद में हुई। खास बात ये है कि बीआरएस का पुराना नाम भी टीआरएस (तेलंगाना राष्ट्र समिति) था, जिसे बाद में बदलकर बीआरएस (भारत राष्ट्र समिति) कर दिया गया था। नई पार्टी की लॉन्चिंग से पहले के कविता ने तेलंगाना को अलग राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर 1969 में हुए आंदोलन के दौरान जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। के कविता ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य के लोगों की इच्छाओं और अधूरे एजेंडे को पूरा करने पर फोकस करेगी। पार्टी लॉन्चिंग के दौरान के कविता ने कहा, 'हमने आज नई पार्टी लॉन्च की है, जिसे टीआरएस यानी तेलंगाना राष्ट्र सेना के नाम से जाना जाएगा। हमने चुनाव आयोग में भी

आईसीयू के लिए एक समान मानक हो

सुप्रीम कोर्ट स्वास्थ्य सेवाओं पर गंभीर, कहा- राज्य तीन हफ्तों में बनाएं एक्शन प्लान

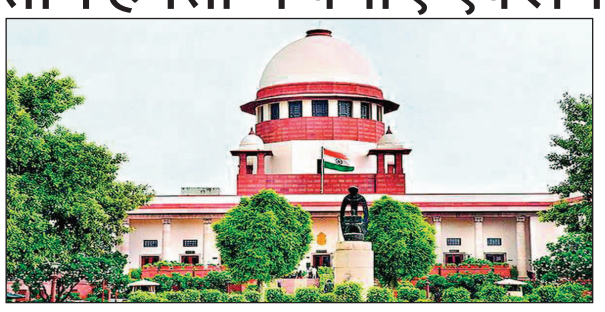

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में गहन चिकित्सा इकाइयों (ICU) की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को बड़ा आदेश दिया है। अदालत ने कहा है कि आईसीयू के लिए तय न्यूनतम मानकों को लागू करने हेतु सभी राज्य और केंद्रशासित प्रदेश व्यावहारिक और यथार्थवादी कार्ययोजना तैयार करें।

शीर्ष अदालत की पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति आर महादेवन शामिल थे, ने 20 अप्रैल के आदेश में कहा कि गहन देखभाल सेवाओं के संगठन और वितरण के लिए दिशानिर्देश तैयार कर ली गई हैं, जिन पर व्यापक सहमति है। अदालत ने कहा कि ये दिशानिर्देश व्यावहारिक, लागू करने योग्य और आईसीयू के लिए न्यूनतम आवश्यक मानक हैं।

कोर्ट ने निर्देश दिया कि सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव या सचिव तत्काल विशेषज्ञों की बैठक बुलाएं और इन दिशानिर्देशों को लागू करने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करें। अदालत ने कहा कि यह योजना जमीन पर लागू होने योग्य और वास्तविक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बनाई जानी चाहिए।

पांच बुनियादी जरूरतों की पहचना कर प्राधमिकता दें

पीठ ने कहा कि शुरुआती चरण में पांच बुनियादी जरूरतों की पहचान कर उन्हें प्राथमिकता दी जाए। इनमें मानव संसाधन, प्रशिक्षित स्टाफ, उपकरण, लॉजिस्टिक्स और जरूरी ढांचे से जुड़े मुद्दे शामिल होंगे। साथ ही इन मानकों के पालन और निगरानी के लिए स्पष्ट व्यवस्था भी बनाई जाए। अदालत ने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया तुरंत शुरू होनी चाहिए और पहली बैठक एक सप्ताह के भीतर आयोजित की जाए। संबंधित अधिकारी इस बैठक में व्यक्तिगत रूप से शामिल हों।

राहुल गांधी ने आरएसएस को क्यों कहा 'राष्ट्रीय सरेंडर संघ'? राम माधव के बयान से मचा सियासी बवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ नेता राम माधव द्वारा अमेरिका में एक पैनल चर्चा के दौरान की गई टिप्पणियों की कड़ी आलोचना करते हुए उन्हें संगठन का वास्तविक स्वरूप उजागर करने वाला बताया। गांधी ने आरएसएस को राष्ट्रीय सरेंडर संघ कहा और संगठन को फर्जी करार दिया। राहुल गांधी ने एक पोस्ट में लिखा कि राष्ट्रीय आत्मसमर्पण संघ। नागपुर में फर्जी राष्ट्रवाद। अमेरिका में सरासर चाटुकारिता। राम माधव ने संघ का असली चेहरा उजागर कर दिया है।"

गांधी की ये टिप्पणी वाशिंगटन डीसी में हडसन इंस्टीट्यूट के न्यू इंडिया सम्मेलन में राजदूत कर्ट कैंपबेल और एलिजाबेथ थ्रेलकेल्ड के साथ राम माधव की पैनल चर्चा में भाग लेने के बाद आई है। इस चर्चा में उन्होंने "अमेरिका-भारत संबंधों के लिए नए रास्ते" विषय पर बात की। चर्चा के दौरान, राम माधव ने भारत की ऊर्जा और व्यापार नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि विपक्ष की इतनी आलोचना के बावजूद भारत ईरान और रूस से तेल खरीदना बंद करने पर सहमत हो गया। भारत ने बिना ज्यादा कुछ कहे 50% टैरिफ पर सहमति जताई। तो आखिर भारत अमेरिका के साथ सहयोग करने के लिए पर्याप्त प्रयास कहाँ नहीं कर रहा है?

इन टिप्पणियों के लिए आलोचना मिलने के बाद, राम माधव ने स्पष्टीकरण जारी कर तथ्यात्मक त्रुटियों को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि मैंने जो कहा वह गलत था। भारत ने रूस से तेल आयात बंद करने पर कभी सहमति नहीं जताई। साथ ही, उसने 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने का कड़ा विरोध किया।

मोबाइल ऐप से होगी देश की जनगणना, 2027 में होगा भारत का पहला डिजिटल जनगणना

नई दिल्ली, एजेंसी। जनगणना देश या किसी निर्दिष्ट क्षेत्र में रहने वाले सभी व्यक्तियों से संबंधित जनसांख्यिकीय, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक आंकड़ों को एकत्र करने, संकलित करने, विश्लेषण करने और प्रसारित करने की प्रक्रिया है। जनगणना के माध्यम से एकत्रित की गई जानकारी की प्रचुरता इसे योजनाकारों, प्रशासकों, शोधकर्ताओं और अन्य डेटा उपयोगकर्ताओं के लिए डेटा का सबसे समृद्ध स्रोत बनाती है। सरकार के अनुसार, जनगणना शासन का एक महत्वपूर्ण आधार है, जो राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में सोच-समझकर निर्णय लेने में सहायक होती है। जनगणना के आंकड़ों से समावेशी, लक्षित और जनसंख्या की विविध आवश्यकताओं के अनुरूप नीति निर्माण संभव होता है। देश में जनगणना आयोजित करने के सबसे शुरुआती संदर्भ कौटिल्य के अर्थशास्त्र (321-296 ईसा पूर्व) और बाद में सम्राट अकबर के शासनकाल में अबुल फजल के 'आइन-ए-अकबरी' में मिलते हैं। भारत में पहली आधुनिक जनसंख्या जनगणना 1865 से 1872 के बीच आयोजित की गई थी, हालांकि यह सभी क्षेत्रों में एक साथ नहीं हुई थी। भारत ने अपनी पहली समवर्ती जनगणना 1881 में आयोजित की। तब से, भारतीय जनगणना विभिन्न पहलुओं पर विश्वसनीय, समय-परीक्षित आंकड़े प्रदान करती आ रही है। प्रत्येक क्रमिक जनगणना ने अपनी पद्धतियों को परिष्कृत किया, कवरेज बढ़ाया और जनसंख्या को बेहतर ढंग से समझने के लिए प्रश्नों में संशोधन किया। जनगणना 2027 भारतीय जनगणनाओं की श्रृंखला में 16वीं और स्वतंत्रता के बाद से आठवीं जनगणना होगी। यह विश्व की सबसे बड़ी जनगणना होगी और डिजिटल एकीकरण, डेटा सुरक्षा को मजबूत करने और प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण को सुदृढ़ करती है। इसमें कई अग्रणी विशेषताएं शामिल हैं, जिनमें मोबाइल-आधारित डेटा संग्रह, जनगणना प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली (सीएमएमएस) पोर्टल के माध्यम से लगभग वास्तविक समय की निगरानी, एक वैकल्पिक स्व-गणना सुविधा और भौगोलिक संदर्भ वाले क्षेत्राधिकारों का व्यापक उपयोग शामिल है।

स्वार्थ के लिए राजनीतिक दल बदलना उचित नहीं : अन्ना हजारे

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा समेत छह अन्य सांसदों के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने के फैसले ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। इस घटनाक्रम पर जहां सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने इसे आलोचना की है, वहीं भाजपा नेताओं ने इसे पार्टी के प्रति बढ़ते विश्वास का संकेत करार दिया है। अन्ना हजारे ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि एक पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में शामिल होना सही नहीं है... अपने स्वार्थ के लिए राजनीतिक दल बदलना उचित नहीं है। हमारे संविधान में इसका कोई उल्लेख नहीं है। हमारा संविधान सर्वोपरि है। हमारा देश संविधान के आधार पर ही चलता है।

भाजपा नेताओं ने इस इस्तीफे का पुरजोर स्वागत करते हुए इसे पार्टी के नेतृत्व और नीतियों में बढ़ते विश्वास के रूप में प्रस्तुत किया है। भाजपा, बिहार के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि यह कदम एक व्यापक प्रवृत्ति को दर्शाता है, जहां राजनीतिक नेता भाजपा की ओर आकर्षित हो रहे हैं। उन्होंने इस बदलाव का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और भाजपा के शासन मॉडल को दिया। सरावगी ने कहा कि जो लोग प्रधानमंत्री के कार्यों और भाजपा की नीतियों में विश्वास रखते हैं, वे अब पार्टी की ओर देख रहे हैं। अन्य पार्टियों के अच्छे लोग भाजपा में विश्वास विकसित कर रहे हैं और शामिल होने के इच्छुक हैं।

आप अपने सिद्धांतों से भटक गई है- भाजपा

वरिष्ठ भाजपा नेता राम कृपाल यादव ने आप पर उसके संस्थापक सिद्धांतों से भटकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जिस आम आदमी पार्टी को अरविंद केजरीवाल ने कभी गरीबों और शोषितों की पार्टी बताया था, वह अब सब कुछ भूल चुकी है, और इसी कारण लोग भी उन्हें भूल रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आप पर तीखा हमला बोलते हुए दावा किया कि पार्टी अब 'आम आदमी पार्टी' नहीं, बल्कि 'अकेले अरविंद की पार्टी' बन गई है। उन्होंने कहा कि केवल अरविंद केजरीवाल और उनके कुछ अनुयायी ही सुरक्षित रहेंगे। जो लोग राजनीति में बदलाव लाने का वादा करके आए थे, वे खुद बदल गए। उन्होंने आगे कहा कि जो लोग अन्ना हजारे का हाथ पकड़कर आए थे, वे अब लालू यादव से जुड़ गए हैं। जो वीआईपी संस्कृति से दूर रहने की बात करते थे, वे शीश महल (महंगे आवास) में बदल गए।

'आप के आंतरिक मुद्दे और भविष्य की ओर संकेत'

जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि जिस तरह से राघव चड्ढा के साथ व्यवहार किया गया, वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण था। उन्होंने कहा कि राघव चड्ढा, अरविंद केजरीवाल द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारियों को निभाते हुए एक विश्वसनीय सलाहकार और रणनीतिकार के रूप में कार्य कर रहे थे।

इंडो-पैसिफिक में बढ़ी ताकत : भारत-अमेरिका साझेदारी गहरी, सीडीएस अनिल चौहान की बैठक से रक्षा सहयोग को नया आयाम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत होती जा रही है। इसी कड़ी में भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड के वरिष्ठ अधिकारी जनरल केविन बी. श्नाइडर के साथ अहम बैठक की। इस बैठक में दोनों देशों ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता को दोहराया। साथ ही, क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर सहयोग को और गहरा करने पर जोर दिया गया।

बैठक के दौरान भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते रणनीतिक तालमेल पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने यह स्पष्ट किया कि वे क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने के लिए मिलकर काम करते रहेंगे। इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ मुख्यालय के अनुसार, इस बातचीत में द्विपक्षीय और त्रि-सेवा सहयोग को और विस्तारित करने पर भी सहमति बनी।

बदलते युद्ध स्वरूप पर चर्चा

ब्रिटेन दौरे के दौरान जनरल चौहान ने रॉयल कॉलेज ऑफ डिफेंस स्टडीज में भी संबोधन दिया, जहां उन्होंने आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति और वैश्विक सुरक्षा पर उसके प्रभाव को विस्तार से समझाया। उन्होंने यह भी बताया कि भारत किस तरह वैश्विक स्तर पर स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

तकनीक और सैन्य सहयोग पर फोकस

दोनों देशों ने इस बात को स्वीकार किया कि आधुनिक समय में तकनीक सैन्य शक्ति का अहम आधार बन चुकी है। इसी को ध्यान में रखते हुए रक्षा सहयोग को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में काम करने पर बल दिया गया। इससे पहले, जनरल अनिल चौहान ने ब्रिटेन के शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ भी महत्वपूर्ण बैठकें कीं। उन्होंने सर रिचर्ड नाइटन के साथ मुलाकात कर वैश्विक चुनौतियों, साइबर खतरों और व्यापार असंतुलन जैसे मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान भारत और ब्रिटेन ने भी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति और समृद्धि बनाए रखने के लिए सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई।

'डराने-धमकाने की राजनीति पर न्याय की जीत होगी'

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने शनिवार को अपने नेता पवन खेड़ा के साथ एकजुटता दिखाई। इसके साथ ही कहा कि गुवाहाटी उच्च न्यायालय की ओर से उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज करने के फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी जाएगी। कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि धमकी और डराने-धमकाने की राजनीति पर न्याय की विजय होगी।

रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'पूरी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अपने मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा के साथ एकजुटता से खड़ी है। गुवाहाटी उच्च न्यायालय के फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देने की प्रक्रिया चल रही है।' उन्होंने यह भी कहा, 'हमें विश्वास है कि न्याय धमकी, डराने-धमकाने और उत्पीड़न की राजनीति पर विजय प्राप्त करेगा।'

गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने क्या किया?

गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी, जो उन्होंने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी के पास कई पासपोर्ट और विदेशों में अघोषित संपत्ति होने के आरोपों के संबंध में दायर की थी। न्यायमूर्ति पार्थिव ज्योति सैकिया की एकल पीठ ने सोमवार को खेड़ा की ओर से दायर आवेदन को खारिज कर दिया, जब सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता को गुवाहाटी उच्च न्यायालय में जाने के लिए कहा था।

'मेरे सुसाइड नोट को अंत तक पढ़ें...', 'कानपुर के ट्रेनी वकील प्रियांशु के आखिरी 1000 शब्द

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। मेरी ये अंतिम इच्छा है कि सब लोग मेरे इस सुसाइड नोट को अंत तक पढ़ें। मैं प्रियांशु श्रीवास्तव (प्रशिक्षु अधिवक्ता) पुत्र राजेंद्र श्रीवास्तव उम्र 23 साल 11 महीने 7 दिन, निवासी वरुण विहार, बर्रा-8 कानपुर सिटी का हूं। आज 23 अप्रैल समय दोपहर 12।05 बजे मैं अपने पूरे होश-ओ-हवास नें बिना किसी जोर दबाव एवं जबरदस्ती के अपनी पूर्ण सहमती से यह सुसाइड नोट लिखकर अपनी जान दे रहा हूं।

मैं एक रजिस्टर्ड अधिवक्ता हूं जिसने अपनी लॉ की पढ़ाई कानपुर सिटी से 2025 से पूरी की है। समय की कमी होने के चलते मैं अपना पंजीकरण उत्तर प्रदेश बार काउंसिल प्रयागराज से प्राप्त नहीं कर सका हूं। कहानी शुरू होती है मेरे बचपन से, जहां करीब 5 या 6 साल की उम्र में ही मुझे मानसिक यातनाएं मिलती शुरू हो गईं। बताने में तो मुझे बहुत शर्म महसूस हो रही है, लेकिन मैं आज से सारी बातें जरूर बताना चाहूंगा क्योंकि जो आज मैं यह कदम उठाने जा रहा हूं भविष्य में ऐसी नौबत किसी के साथ न आ जाए।

करीब 6 साल की उम्र में मैंने चोरी से बिना किसी को बताए फ्रिज में रखे आम के जूस को पी लिया था, जिसके चलते मुझे निर्वस्त्र करके घर से बाहर भगा दिया गया। माना कि हर मां-बाप को शुरू से ही सख्त रवैया अपनाना चाहिए। ताकि उनके बच्चों का भविष्य संवर सके। लेकिन इतनी

भी सख्ती ना हो कि बच्चों को हर पल घुटन महसूस होने लगे। कई बार कोशिश की मैंने कि इन सब माहौल से निकल कर और आगे बढ़कर अपनी जिंदगी जी सकूं। परंतु 23 साल की उम्र तक जो कुछ भी मेरे साथ हुआ, इस तरह की बेगैरत की जिंदगी जीने के मैं लायक हूं।

'हर एक दो मिनट का हिसाब लेना'

पढ़ाई के लिए जरूरत से ज्यादा टॉर्चर देना, परीक्षा के एक दिन पहले मारने पीटने लग जाना एक हद तक को ठीक लगता है। मगर हर समय शक की नजर से देखना, हर एक दो मिनट का हिसाब लेना कहीं ना कहीं मानसिक टॉर्चर ही है। इस टॉर्चर के साथ मैं ज्यादा समय तक नहीं जी सकता है। सख्ती, लगाव और प्रेन इस सीमा तक भी नहीं होना चाहिए कि वो नफरत में बदल जाए।

जबरन सब्जेक्ट सिलेक्ट करने का दबाव

बात है साल 2026 की क्लास 9 के प्रवेश के दौरान मेरे पापा ने यह शर्त रखी कि अगर मैं कंप्यूर एंड फिजीकल एजुकेशन के विषयों में कंप्यूर का चयन नहीं करूंगा तो वो मुझे निर्वस्त्र कर घर से भगा देंगे। उनके दबाव में आके मैंने ऐसे विषय का चयन किया, जिसमें मेरी रूचि ही नहीं थी। नतीजा ये रहा कि ज्यादा पढ़ने के बावजूद उस वक्त मेरे उस विषय में ठीक नंबर नहीं आए। साल 2026 में घर के निर्माण कार्य में करीब 4 महीने तक का समय लग जाने के कारण 10वीं में मेरी पढाई प्रभावित हुई। रिजल्ट आने से पहले पापा ने मुझे धमकी दी कि अगर हाईस्कूल में नंबर कम आए तो निर्वस्त्र करके घर से भगा देंगे। घर और समाज में इज्जत खोने के डर से मैं घर से भाग गया था। मैं मथुरा पहुंच गया था।

'बचपन में चुराया एक-दो रुपये का सिक्का'

छोटी उम्र में अगर मैंने सही-गलत और ज्ञान के अभाव में एक या दो रुपये का सिक्का टॉफी खाने के लिए चुरा लिया तो आज की तारीख तक घर से जुड़े किसी विवाद में बहस के समय पापा मुझे चिल्ला-चिल्ला कर गाली देकर मोहल्ले में मेरी बेइज्जती करते हैं। हाईस्कूल की परीक्षा में मेरे 60 प्रतीशत आए थे। मैं मिडिल फैमिली से आता हूं। मैं घर पर बोझ ना बनूं, इसके लिए मैंने ट्यूशन पढ़ानी शुरू की। जब महसूस किया कि इस काम में ज्यादा मेहनत है तो मैंने खुद का ऑनलाइन इंटरनेट वर्क शुरू किया। मैं अपने खर्च खुद उठाता था। घर में दैनिक खर्च भी देता था। लेकिन इस सब प्रयासों के बावजूद पिता मुझे नामर्द, हिजड़ा, विकलांग जैसे अपशब्दों का इस्तेमाल करके जलील करते हैं। घर के बाहर चिल्ला-चिल्ला कर मेरी बेइज्जती करते हैं।

'24 घंटे जिनके लिए काम किया, उन्होंने ही जलील किया'

मैं दिनभर उनके कचहरी के काम में उनका सहयोग करता हूं। न मेरे कोई गलत शौक हैं और न ही किसी गलत संगत में लिप्त हूं। पूरा दिन सिर्फ अपने काम को बढ़ाने की कोशिश करता हूं। बावजूद इसके मुझे सिर्फ और सिर्फ जलील किया जा रहा है। बात बात पर मुझे घर से बाहर निकालने की धमकी ऑफिस से निकालने की धमकी दी जा रही है। 24 घंटे मैंने जिनके लिए काम किया वो मुझे जलील करते रहते हैं। उनके लिए मैंने अपना हर काम छोड़ा। हर पल हर मिनट ये पूछा जाता है कि कब आओगे, किससे बात कर रहे हो, किसका फोन आया। जरूरत से ज्यादा मेरी जिंदगी में दखल दिया जाता है। मेरी जिंदगी मुझे घुटन की तरह लगती है। आज उन्होंने पूरे मोहल्ले में सबके सामने मेरे ऊपर चिल्लाकर मेरी फिर बेइज्जती ती। मुझे झूठा साबित कर नीचा दिखाने की कोशिश करते गैं। उन्हें उनकी जीत मुबारक हो।

'मेरी लाश को मेरे पापा छू भी ना पाएं'

आज मैं कचहरी परिसर में आत्महत्या करने जा रहा हूं। क्योंकि इतनी बंदिशों और बेइज्जती के साथ मैं और नहीं जी सकता, मैं जा रहा हूं। मां बाप की 25वीं वर्षगांठ के लिए मैंने अपनी क्षमतानुसार चांदी की अंगूठी गिफ्ट में देने की बात घर पर बताई थी। परंतु कुछ बात ऐसे बेटे को डिजर्व नहीं करते। सभी मां बाप से अपील है कि बच्चों पर उतनी ही सख्ती बरतें जितना वो बर्दाश्त कर सके। मेरा निवेदन है कि मेरी लाश को मेरे पापा छू भी ना पाएं। मैं उनपर कोई और कार्रवाई नहीं चाहता हूं। ताकि मेरा परिवार बर्बाद न हो। भगवान करे ऐसे पिता किसी को ना मिलें। अगर किसी को लगता है कि मैं झूठा हूं तो मेरी मां-बहन और पड़ोसियों से मेरे बारे में पूछ लेना। मेरे सारे एफर्ट्स भविष्य में कुछ बनने के सपने सब खत्म हो गए। मैं हार गया, पापा जीत गए, उनको मुबारक।

लव यू मम्मी और बहन
I Quit Priyanshu

यूपी टॉपर मोनिका यादव के नाम स्कूल में रोपित किया पौधा

बाराबंकी। जहां एक तरफ किसान उच्चतर माध्यमिक विद्यालय इस्माइलपुर की होनहार छात्रा के हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में 96.33 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश स्तर पर टॉप टेन में अपना नाम दर्ज कराने पर मोनिका यादव को तमाम प्रकार के उपहार भेंट करने वालों का तांता लगा हुआ है। वही जनकल्याण किसान एसोसिएशन के चेयरमैन धर्म कुमार यादव पर्यावरण प्रेमी ने शनिवार को स्कूल पहुंचकर एक सीता अशोक का पौधा भेंटकर मोनिका यादव को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना भी की। तत्पश्चात उसी पेड़ को विद्यालय परिसर में प्रधानाचार्य अशोक कुमार त्रिपाठी, अध्यापक सुनील कुमार, नरेंद्र प्रजापति राजीव प्रकाशन, अध्यापक अनिल कुमार यादव, प्रियंका त्रिपाठी, बन बिहारी, क्षेमेंद्र अवस्थी, राजू, शिव प्रताप मिश्र, आनंद यादव, रोनिका, सकीना आदि के साथ मिलकर मोनिका यादव होनहार छात्रा के नाम से रोपित किया गया।

ब्लैकमेलिंग से तंग आकर नाबालिग ने दी जान, 4 .20 लाख की ठगी का आरोप

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। कोतवाली देहात थाना क्षेत्र से एक बेहद दर्दनाक मामला सामने आया है, जहां ब्लैकमेलिंग और मानसिक प्रताड़ना से परेशान एक नाबालिग किशोरी ने आत्महत्या कर ली। घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है।

जानकारी के मुताबिक किशोरी ने 23 अप्रैल को जहरीला पदार्थ (सल्फास) खा लिया था। गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका के पिता ने पुलिस को दी तहरीर में गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि गांव के अतुल धुरिया नामक युवक ने वर्ष 2024 में उनकी बेटी के साथ दुष्कर्म किया था, जिसके बाद उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ और वह जेल भी गया। हालांकि करीब चार-पांच महीने पहले आरोपी जमानत पर रिहा हो गया। आरोप है कि जेल से छूटने के बाद आरोपी ने किशोरी को फिर से परेशान करना शुरू कर दिया। वह अश्लील फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर उसे लगातार ब्लैकमेल कर रहा था। बदनामी के डर से सहमी किशोरी से आरोपी ने धीरे-धीरे उसके बैंक खाते से करीब 4 लाख 20 हजार रुपये विभिन्न खातों में ट्रांसफर करवा लिए। इस पूरे मामले का खुलासा 21 अप्रैल को तब हुआ, जब किशोरी के पिता ई-रिक्शा खरीदने के लिए बैंक पहुंचे और खाते में पैसे न होने की जानकारी मिली। पूछताछ करने पर किशोरी ने रोते हुए अपने साथ हो रही ब्लैकमेलिंग की पूरी सच्चाई बताई।

सोनभद्र में भीषण हादसा : बरात से लौट रहे तीन लोगों की मौत, पांच घायल, जायलो पलटने से हुआ हादसा

आर्यावर्त संवाददाता

सोनभद्र। वाराणसी-शक्तिनगर राजमार्ग पर शनिवार तड़के बड़ा सड़क हादसा हुआ। रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के लोढ़ी में जायलो पलटने से तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। सभी लोग बरात से लौट रहे थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और यातायात को सुचारू कराया।

वाहन संख्या यूपी 64 एल 0055 (जायलो) से सवार लोग ग्राम खलियारी बैनी रायपुर से बरात में शामिल होकर ग्राम कन्होरा (थाना चोपन) लौट रहे थे। शनिवार सुबह करीब 3:30 बजे लोढ़ी में एआरटीओ कार्यालय के पास वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया।

हादसे में दिलीप पासवान (22), नीतीश यादव (27) और जितेंद्र साहनी (18) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं मुकेश (17), इंद्रेश (14), पंकज (18),

छोटेलाल साहनी (32) और सुग्रीव (27) घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गंभीर रूप से घायल चालक छोटेलाल साहनी को ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है।

पुलिस ने वाहन को सड़क किनारे हटवाकर यातायात बहाल करा दिया है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। रॉबर्ट्सगंज कोतवाल रामस्वरूप वर्मा के अनुसार कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य है।

कूड़ा डंपिंग को लेकर बवाल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। कोतवाली देहात क्षेत्र के अहलादपुर स्थित एमआरएफ सेंटर (कूड़ा डंपिंग स्थल) पर शनिवार सुबह उस वक्त हंगामा मच गया जब कूड़ा गिराने को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। नगर पालिका के दो कर्मचारियों पर स्थानीय युवक ने लोहे की रॉड से हमला कर दिया, जिसमें एक कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया।

मिली जानकारी के मुताबिक नगर पालिका कर्मचारी मो. अली जान और शिवा सुबह करीब 8 बजे टेंपो से कूड़ा लेकर लालभानी अस्पताल के पास स्थित एमआरएफ सेंटर पहुंचे थे। आरोप है कि वहां पहले से मौजूद अमहट निवासी नीरज दुबे ने कूड़ा गिराने को लेकर आपत्ति जताई और देखते ही देखते गाली-गलौज शुरू कर दी। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने लोहे की रॉड से हमला कर दिया। हमले में एक कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल इलाज के लिए भेजा गया। घटना से आक्रोशित कर्मचारियों ने कोतवाली नगर पहुंचकर लिखित तहरीर दी और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ मेडिकल परीक्षण कराने की मांग की। घटना की जानकारी मिलते ही नगर पालिका की सफाई एवं खाद्य निरीक्षक अधूलिका सिंह भी कोतवाली पहुंचीं। वहीं सफाई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष संतोष चैधरी ने भी मामले में जल्द प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। हालांकि नगर कोतवाल संदीप राय का कहना है कि घटनास्थल कोतवाली देहात थाना क्षेत्र में आता है, जिसके चलते मामला संबंधित थाने को भेजा जाएगा। उधर कोतवाली में संतोषजनक कार्रवाई न होने से नाराज कर्मचारी एसपी कार्यालय पहुंच गए और न्याय की गुहार लगाई। घटना के बाद से सफाई कर्मियों में रोष व्याप्त है और उन्होंने सुरक्षा की मांग उठाई है।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा पर प्रशासन सख्त

» डीएम-एसपी का औचक निरीक्षण, नकल पर जीरो टॉलरेंस

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जनपद में आयोजित होमगार्ड भर्ती परीक्षा को शुचितापूर्ण, नकल विहीन और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। जिलाधिकारी इन्द्रजीत सिंह और पुलिस अधीक्षक चारू निगम ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था की गहन जांच करते हुए केंद्रों पर तैनात पुलिस बल की ड्यूटी चेक की और उन्हें पूरी मुस्तैदी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। प्रथम पाली की परीक्षा के दौरान डीएम-एसपी लगातार भ्रमणशील रहे। उन्होंने परीक्षा केंद्रों के अंदर और बाहर की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया, साथ ही सीसीटीवी कैमरों की सक्रियता और प्रवेश द्वार पर सघन तलाशी (फ्रिसिंकग) प्रक्रिया का भी बारीकी से अवलोकन किया। अधिकारियों ने केंद्र व्यवस्थापकों और पर्यवेक्षकों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि शासन की गाइडलाइंस का पूरी तरह पालन सुनिश्चित किया जाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही या संदिग्ध गतिविधि पाए जाने पर तत्काल कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि परीक्षा की पारदर्शिता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सेक्टर और जोनल मजिस्ट्रेटों को भी लगातार क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर स्थिति पर नजर बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

अंबेडकर प्रतिमा क्षतिग्रस्त पर प्रशासन की त्वरित कार्रवाई, नई मूर्ति लगाने की प्रक्रिया शुरू

सुल्तानपुर। कूरेभार थाना क्षेत्र के ग्राम इरुल में स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा की एक अंगुली क्षतिग्रस्त पाए जाने से इलाके में हलचल मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाल लिया। प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत कराई, जिससे लोगों में भरोसा बना रहे। वहीं ग्रामीणों की मांग को ध्यान में रखते हुए नई प्रतिमा स्थापित करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने घटना के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान शुरू कर दी है और उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। क्षेत्राधिकारी बल्दीराय ने बताया कि फिलहाल स्थिति पूरी तरह शांत और नियंत्रण में है। प्रशासन की तत्परता से इलाके में शांति बनी हुई है और नई प्रतिमा लगाने की दिशा में तेजी से काम आगे बढ़ाया जा रहा है।

1962 मोबाइल वेटरनरी यूनिट की सेवा से पशुपालक हो रहे हैं लाभान्वित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। सरकार द्वारा चलाए गए जा रहे हैं 1962 सेवा पशुपालकों के लिए काफी लाभप्रद साबित हो रही है। 1962 की टीम द्वारा गांव-गांव में जाकर लगाई जा रहे कैंप के माध्यम से दवाइयां का निशुल्क वितरण किया जा रहा है और बीमार पशुओं का इलाज किया जा रहा है, साथ में पशुओं के रखरखाव उनके खान-पान और गर्मी से बचाव के उपाय के बारे में बताया जा रहा है। 1962 पर कॉल करके पशुपालक 1962 की टीम को अपने घर पर बुलाकर बीमार पशुओं का इलाज करवा सकते हैं। अभी हाल ही मे सुल्तानपुर जिले के खंड नगर ब्लॉक के रामनगर गांव के दीपक ने बताया कि उनकी भैंस काफी दिनों से बीमार चल रही थी कई डॉक्टर के द्वारा इलाज करने के बाद भी भैंस के हालात में सुधार नहीं हो रहा था उन्होंने 1962 पर कॉल करके अपनी समस्या बताई 1962 की टीम के डॉक्टर मित्र सेन यादव एमटीएस अनिल यादव एवं पायलट अनुराग उनके घर पर पहुंच के भैंस का इलाज किया। अभी भैंस की हालत में काफी सुधार है दीपक ने बताया 1962 की टीम द्वारा इलाज करने के बाद भैंस ने चार खाना स्टार्ट कर दिया है उसकी हालत में काफी सुधार है। सरकार द्वारा चलाई जा रही हैं 1962 की सेवा से काफी पशुपालक लाभान्वित हो चुके हैं।

पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय में भव्य दीक्षांत परेड आज

सुल्तानपुर। दादूपुर स्थित पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय में रविवार सुबह 7:30 बजे वार्षिक दीक्षांत परेड का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक (सीआईडी/साइबर क्राइम) विनोद कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम में वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी बृजेश कुमार मिश्रा प्रशिक्षुओं का स्वागत करेंगे। लगभग एक वर्ष पूर्व प्रशिक्षण के लिए पहुंचे सैकड़ों पुलिस रंगरूटों ने अपना प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जिसके बाद अब वे औपचारिक रूप से पुलिस सेवा में शामिल होने के लिए तैयार हैं। दीक्षांत परेड को लेकर पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। परेड ग्राउंड को रंग-रोगन कर सजाया गया है और पूरे परिसर को आकर्षक रूप दिया गया है। पीटीएस के पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया है। इस खास मौके पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पुलिस कर्मियों के परिजन भी मौजूद रहेंगे, जिससे कार्यक्रम का उत्साह और बढ़ेगा। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद इन नवप्रशिक्षित पुलिसकर्मियों की तैनाती प्रदेश के विभिन्न जिलों में की जाएगी, जिससे उत्तर प्रदेश पुलिस बल और मजबूत होगा। यह दीक्षांत परेड न केवल प्रशिक्षुओं के लिए गौरव का क्षण है बल्कि प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी माना जा रहा है।

यमुना-ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे इंटरचेंज का काम अंतिम चरण में... नोएडा एयरपोर्ट तक पहुंच होगी आसान

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे को जोड़ने वाला बहुप्रतीक्षित इंटरचेंज अब अंतिम चरण में पहुंच गया है। ग्रेटर नोएडा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए राहत भरी खबर है कि जून के अंत या जुलाई तक यह इंटरचेंज वाहनों के लिए खोल दिया जाएगा। इसके शुरू होते ही दोनों एक्सप्रेसवे के बीच सीधी कनेक्टिविटी मिल जाएगी और करीब 20 किलोमीटर तक दूरी कम हो जाएगी।

शुरुआती चरण में दिल्ली के कंपनी को इसका ठेका दिया गया लेकिन बाद में जिम्मेदारी यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण को सौंप दी गई। यमुना एक्सप्रेसवे के 10 किलोमीटर पॉइंट पर जगनपुर अफजलपुर गांव के पास इस इंटरचेंज की योजना वर्ष

2019 में बनाई गई थी, जिसका उद्देश्य यमुना एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे को सीधे जोड़ना था, ताकि वाहन चालकों को बार-बार शहर के भीतर या परी चौक जैसे व्यस्त मार्गों से होकर न गुजरना पड़े। हालांकि भूमि विवाद, किसानों के विरोध, कोविड-19 महामारी और लागत बढ़ने जैसी वजहों से यह योजना लंबे समय तक अटकी रही। अब करीब 75 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और शेष काम तेजी से किया जा रहा है।

432 करोड़ रुपये की लागत से हो रहा तैयार

करीब 432 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रहे इस इंटरचेंज का निर्माण लगभग 48 हेक्टेयर क्षेत्र में किया जा रहा है। इसमें कुल 8 लूप बनाए गए हैं, जिनकी कुल लंबाई करीब 11 किलोमीटर है। इनमें 4 लूप उत्तर दिशा और 4 दक्षिण दिशा के ट्रैफिक को सुगम बनाएंगे। अधिकारियों के अनुसार, मुख्य संरचना तैयार हो चुकी है और अब अंतिम चरण में ब्लैक लेयर व अन्य तकनीकी काम पूरे किए जा रहे हैं।

नहीं लगाना पड़ेगा लंबा चक्कर

फिलहाल ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से यमुना एक्सप्रेसवे पर आने-जाने के लिए वाहन चालकों को सिरसा या परी चौक के रास्ते लंबा चक्कर लगाना पड़ता है, जिससे समय, ईंधन और ट्रैफिक तीनों पर दबाव बढ़ता है। इंटरचेंज शुरू होने के बाद वाहन बिना शहर में प्रवेश किए सीधे एक एक्सप्रेसवे से दूसरे पर जा सकेंगे, जिससे ग्रेटर नोएडा की सड़कों और प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक का दबाव भी कम होगा।

ये होगा बड़ा फायदा

इस परियोजना का सबसे बड़ा फायदा पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा के यात्रियों को मिलेगा। साथ ही नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक पहुंच भी पहले से आसान और तेज हो जाएगी। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के विकसित हो रहे सेक्टरों को भी इस इंटरचेंज से सीधा लाभ मिलेगा, जिससे औद्योगिक और आवासीय गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है। करीब सात साल से प्रतीक्षित यह प्रोजेक्ट अब अपने अंतिम पड़ाव पर है और इसके शुरू होते ही इसे पश्चिमी यूपी और हरियाणा के लिए कनेक्टिविटी में बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

पासिंग आउट परेड से पहले 15 युवकों ने छोड़ी पुलिस की नौकरी, ट्रेनिंग नहीं की, इसलिए दिया त्यागपत्र

आर्यावर्तसंवाददाता

आगरा। आगरा में पासिंग आउट परेड रविवार को पुलिस लाइन मैदान में होगी। इसके लिए पूरी तैयारी कर ली गई है। शुक्रवार को फुल ड्रेस रिहर्सल में रिक्रूट आरक्षियों में गजब का जोश दिखा, उन्होंने कदमताल किया।

परेड को लखनऊ से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संबोधित करेंगे, जिसका लाइव प्रसारण यहां दिखाया जाएगा। रिक्रूट आरक्षियों को प्रशिक्षण के बाद अलग-अलग जिलों में तैनात किया जाना है। आगरा कमिश्नरेट को भी 1800 से अधिक नए आरक्षी मिल सकते हैं। डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास ने बताया कि प्रदेशभर में 60,244 आरक्षियों का प्रशिक्षण 11 महीने पहले शुरू हुआ था। अलग-अलग जिलों में यह पूरा हो चुका है। एक साथ प्रदेश के अधिकतर जिलों में पासिंग आउट परेड का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री परेड को संबोधित करेंगे। आगरा में 670 से अधिक आरक्षियों ने प्रशिक्षण पूरा कर लिया है। अच्छे अंक वाले आरक्षियों को विशेष प्रमाणपत्र दिए जाएंगे। उनके परिजन भी आएंगे। शुक्रवार को रिहर्सल में अधिकारी भी शामिल रहे।

दूसरी नौकरी के लिए 15 ने छोड़ा प्रशिक्षण

डीसीपी मुख्यालय अतुल शर्मा ने बताया कि 15 के करीब ऐसे अभ्यर्थी थे, जिनकी दूसरे किसी विभाग में नौकरी लग गई। इस कारण उन्होंने प्रशिक्षण छोड़ दिया। बाद में त्यागपत्र दे गए।

लूटपाट के कलंक से मुक्त होगा बंगाल, सीएम योगी ने टीएमसी, कांग्रेस और कम्युनिस्टों को लिया आड़े हाथ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल के दौरे में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने दो-टूक कहा कि ममता दीदी ने इसीलिए सीएए का विरोध किया था, क्योंकि उन्हें चिंता है कि हिंदू ज्यादा हो गए तो सड़कों पर इफ्तारी कैसे होगी? बंगाल में अराजकता के लिए टीएमसी को जिम्मेदार ठहराते हुए सीएम ने कहा कि यह पार्टी लोकतंत्र में विश्वास नहीं करती।

पहले चरण के मतदान में इन लोगों ने भाजपा नेताओं व प्रत्याशियों पर हमला किया, सबने इनकी गुंडागर्दी देखी। लेकिन, 4 मई को जब परिणाम आएगा तो टीएमसी के गुंडों को छिपने की जगह नहीं मिलेगी। बंगाल अब अराजकता स्वीकार नहीं करेगा। कांग्रेस, कम्युनिस्टों व टीएमसी ने बंगाल के माथे पर लूटपाट का जो कलंक लगाया है, अब उससे मुक्त होने का समय है। बंगाल के लोगों ने डबल इंजन सरकार लाने का फैसला किया है, जो डबल स्पीड से काम करेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को नबद्वीप विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार श्रुति शेखर गोस्वामी के पक्ष में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नबद्वीप महाप्रभु को प्रणाम किया। यहां भीषण गर्मी में भी सीएम योगी के प्रति बंगालवासियों का लगाव स्पष्ट दिखाई दिया। जनसभा में हजारों की भीड़ लगातार 'योगी-योगी' का नारा लगाती रही। सीएम ने इस स्नेह के लिए मतदाताओं का आभार भी जताया।

सीएम योगी ने पहले चरण में 152 सीटों पर रिकॉर्ड मतदान के लिए मतदाताओं का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि हर मतदाता के मन में भाव था कि बंगाल को टेरर, माफियाराज व करप्शन से मुक्ति दिलाकर फिर से भारत की पहचान का प्रतीक बनाना है और भाजपा की डबल इंजन सरकार लाना है। उस समय (23 अप्रैल, मतदान दिवस) के नजारे बता रहे थे कि जब 4 मई को परिणाम आएंगे तो नबद्वीप का केसरिया झंडा बंगाल में हर ओर लहराता दिखाई देगा।

आध्यात्मिकता से बंगालवासियों का लगाव

सीएम योगी ने कहा कि 500 वर्ष पहले चैतन्य महाप्रभु ने हरे कृष्णा, हरे रामा... की मधुर धुन के माध्यम से दुनिया को आकर्षित कर भारत के सनातन ध्वज को वैश्विक पटल पर स्थापित करने का जो कार्य किया था, आज वही कार्य इस्कॉन के संन्यासी कर रहे हैं। वे भगवान श्रीकृष्ण की लीलास्थली वृंदावन पर यह गान करते हुए भक्ति प्रवाह को प्रचारित करते हैं। उनका भक्ति का संदेश हिंदू समाज को जाति-पाति से उठकर ईश्वर के प्रति सर्वस्व समर्पण करने की प्रेरणा देने के साथ ही राष्ट्रवाद को नई ऊंचाई प्रदान करने वाला भी है।

टीएमसी ने बंगाल के सामने पहचान का संकट खड़ा किया

सीएम योगी ने कहा कि बंगाल ने भारत को सब कुछ दिया, फिर भी उसके साथ खूब छल हुआ। उन्होंने बंगाल की धरा पर जन्मे संतों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, समाज सुधारकों, वैज्ञानिकों व अन्य विभूतियों का नाम लेकर उनके प्रति श्रद्धा निवेदित की। कहा कि एक समय नबद्वीप और बंगाल ने भारत को पहचान दी, लेकिन आज उस बंगाल के सामने स्वयं पहचान का संकट खड़ा हुआ है।

यह संकट खड़ा किया टेरर, माफियाराज व करप्शन की प्रतीक बनी टीएमसी सरकार ने। भाजपा कार्यकर्ता संजय भौमिक की निर्ममतापूर्वक हत्या कर दी गई और तृणमूल के गुंडे खुलेआम घूम रहे हैं। बंगाल में लैंड, सैंड, कैटल माफिया हावी हैं। टीएमसी के गुंडे दिल्ली से भेजे गए पैसे हड़प जाते हैं, लेकिन अब बंगाल जाग गया है। यहां कटमनी, अराजकता का खेल समाप्त होगा।

टीएमसी ने किया था सीएए का विरोध

सीएम ने मतदाताओं से कहा कि आपके हक पर घुसपैठियों से डकैती डलवाने वाली टीएमसी सरकार से मुक्ति का समय आ गया है, क्योंकि जो काम भारत और बंगाल के हित में है, टीएमसी उसका विरोध करती है। संसद में प्रधानमंत्री जी सीएए (सिटिजनशिप अमेंडमेंट एक्ट) का प्रस्ताव लेकर आए तो टीएमसी ने विरोध किया। यह एक्ट गारंटी देता है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान से किसी हिंदू, बौद्ध, जैन व सिख को प्रताड़ित कर भारत भेजा गया है और वह पांच साल से अधिक समय से यहां रह रहा है तो उसे भारत की नागरिकता मिलेगी। इसी एक्ट के कारण बंगाल के अंदर काफी संख्या में नागरिकता दी गई, लेकिन ममता दीदी को यह बुरा लगता है। उन्हें चिंता है कि हिंदू ज्यादा होगा तो सड़कों पर इफ्तारी कैसे होगी। लेकिन, यूपी में कोई सड़क पर नमाज या इफ्तार पार्टी नहीं कर सकता। वहां मस्जिद से आवाज भी नहीं आती।

मां काली-मां दुर्गा की पूजा से कोई नहीं रोक सकता

सीएम योगी ने कहा कि बंगाल में ममता दीदी दुर्गा पूजा, मूर्ति विसर्जन और हिंदुओं का विरोध करती हैं। जयश्रीराम बोलने पर प्रतिबंध लगाती हैं। कोलकाता हाईकोर्ट को आदेश देना पड़ा था कि दुर्गापूजा की शोभायात्रा पर जो लोग सरेआम हमला कर रहे हैं, बंगाल में अव्यवस्था फैला रहे हैं, उन पर सख्ती की जानी चाहिए, परंतु तृणमूल सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। लेकिन, मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि बंगाल की धरा पर मां काली-मां दुर्गा की पूजा कोई नहीं रोक सकता, ऐसा करने वालों के खिलाफ सड़कों पर आंदोलन होगा। बंगाल की धरती पर गोमाता को कटने और हिंदुओं को बंटने नहीं देंगे। 2017 से पहले उत्तर प्रदेश की इससे भी बदतर स्थिति थी।

लखनऊ में आरपीआई का शक्ति प्रदर्शन, डॉ. रामदास आठवले ने महिला सम्मेलन व चुनाव प्रबंधन कार्यशाला को किया संबोधित

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आ.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री डॉ. रामदास आठवले शनिवार को लखनऊ के एक दिवसीय प्रवास पर रहे। इस दौरान उन्होंने केसरबाग स्थित गाँधी प्रेक्षागृह में आयोजित 'महिला कार्यकर्ता सम्मेलन' तथा पीडब्ल्यूडी परिसर स्थित विश्वेश्वरैया हॉल में आयोजित 'पदाधिकारी सम्मेलन एवं चुनाव प्रबंधन कार्यशाला' में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। दोनों कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की उपस्थिति ने पार्टी की संगठनात्मक सक्रियता और आगामी चुनावों को लेकर तैयारियों का संकेत दिया।

गाँधी प्रेक्षागृह में आयोजित महिला कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए डॉ. रामदास आठवले ने महिला सशक्तिकरण को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि केंद्र सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने विभिन्न जन-कल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए महिलाओं को इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक उन्नति से ही समाज और राष्ट्र की प्रगति सुनिश्चित हो सकती है। उन्होंने महिला कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे समाज के अंतिम पायदान तक पहुंचकर जरूरतमंद महिलाओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी दें और उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करें।इसके बाद विश्वेश्वरैया हॉल में आयोजित पदाधिकारी सम्मेलन एवं चुनाव प्रबंधन कार्यशाला में संगठनात्मक मजबूती और चुनावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजय सिन्हा ने कहा कि पार्टी महिलाओं के उत्थान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है कि सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़ी महिला तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही चुनावी सफलता की कुंजी है और इसके लिए सभी पदाधिकारियों को समर्पण भाव से कार्य करना होगा।प्रदेश अध्यक्ष पवन भाई गुप्ता ने अपने संबोधन में संविधान की शक्ति और मताधिकार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार किया। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर संगठन की रणनीति साझा करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि पार्टी प्रदेश में बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत किया जाए और जनता के बीच जाकर पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

गुडम्बा में घर का ताला तोड़कर 30 लाख की चोरी का खुलासा, तीन शातिर चोर गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। क्राइम ब्रांच और थाना गुडम्बा पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी चोरी की वारदात का सफल अनावरण करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के जेवरात, 1,10,200 रुपये नकद, चार मोबाइल फोन तथा एक अवैध .32 बोर पिस्टल मय चार जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। बरामद माल की कुल अनुमानित कीमत करीब 30 लाख रुपये बताई जा रही है।पुलिस के अनुसार 15 अप्रैल 2026 को वादी सरफराज हुसैन निवासी आधार खेड़ा, डीएच-2 पैराडाइज, थाना गुडम्बा ने अपने घर में चोरी की घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया था कि अज्ञात चोरों ने उनके घर के अंदर अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे सभी आभूषण और नगदी चोरी कर ली थी। इस संबंध में थाना गुडम्बा पर मु0अ0सं0 148/26 धारा 331(4)/305(ए) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस आयुक्त लखनऊ के निर्देश पर क्राइम टीम, सर्विलांस टीम पूर्वी जोन और थाना गुडम्बा पुलिस की संयुक्त टीम लगातार पतारसी और सुरागरसी में जुटी हुई थी। इसी क्रम में 24 अप्रैल 2026 को संयुक्त पुलिस टीम ने स्कार्पियो क्लब के पास जंगल क्षेत्र से तीन संदिग्ध व्यक्तियों को घेराबंदी कर पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम अदीबुर्रहमान उर्फ अदीब उर्फ अद्दू निवासी ग्राम अनवारी थाना कुर्सी जनपद बाराबंकी, जीशान गाजी उर्फ छोटू निवासी ग्राम चंदाकोडर थाना बीकेटी जनपद लखनऊ (हाल पता ग्राम अनवारी थाना कुर्सी, बाराबंकी) तथा रामजी राजाराम सोनी निवासी स्कूटर इंडिया क्षेत्र थाना सरोजनीनगर लखनऊ बताए।तलाशी के दौरान अभियुक्त अदीबुर्रहमान के कब्जे से एक अवैध .32 बोर पिस्टल और चार जिंदा कारतूस बरामद हुए। इसके अतिरिक्त आरोपियों के पास से चोरी से संबंधित नकद 1,10,200 रुपये, पीली धातु की दो छड़, सोने-चांदी की अंगूठियां, एक बिन्दीनुमा पीली धातु का टुकड़ा तथा चार मोबाइल फोन बरामद किए गए। बरामद मोबाइल में तीन एंड्रॉयड फोन और एक आईफोन 17 प्रो मैक्स शामिल है, जिसे चोरी के पैसों से खरीदा गया था। साथ ही एक बुलेट मोटरसाइकिल को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत सीज किया गया है।पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने आर्थिक लाभ के उद्देश्य से वादी के घर में चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि मुख्य आरोपी अदीबुर्रहमान और जीशान गाजी के विरुद्ध पहले से ही चोरी, लूट और गैंगस्टर एक्ट सहित कई गंभीर

रातमें क्रेन से काटकर हटाया गया 'महाराजा मलिहा पासी स्वागत द्वार', सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मुकदमा दर्ज

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना मलिहाबाद क्षेत्र के कस्बा मलिहाबाद स्थित मोहन रोड पर स्थापित "महाराजा मलिहा पासी स्वागत द्वार" को अज्ञात/नामजद व्यक्तियों द्वारा रात के अंधेरे में क्रेन और हाइड्रा मशीन की सहायता से अवैध रूप से काटकर हटाए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। घटना को लेकर थाना मलिहाबाद में मु0अ0सं0-83/2026 दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की पहचान के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।पुलिस के अनुसार 22 अप्रैल 2026 की रात्रि लगभग 03:14 बजे कुछ व्यक्तियों ने योजनाबद्ध तरीके से क्रेन/हाइड्रा मशीन का उपयोग करते हुए मोहन रोड पर स्थापित 'महाराजा मलिहा पासी स्वागत द्वार' को काटकर गिराया और बाद में उसे पिकअप/डीसीएम वाहन में लादकर मौके से हटाया। यह पूरी घटना आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। फुटेज में स्पष्ट रूप से मशीनों की मदद से द्वार को काटते और वाहन में लादकर ले जाते हुए कुछ लोगों की गतिविधियां दिखाई दे रही हैं।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना मलिहाबाद पर धारा 303(2) बीएनएस तथा धारा 2/3 सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया। इसके बाद पुलिस टीम द्वारा सीसीटीवी फुटेज का गहन परीक्षण किया जा रहा है और घटना में शामिल व्यक्तियों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी साक्ष्यों का सहारा लिया जा रहा है।पुलिस अधिकारियों के अनुसार प्रारंभिक जांच में यह प्रतीत होता है कि घटना को सुनियोजित तरीके से

लालाबाग रिंग रोड किनारे महिला की संदिग्ध मौत, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना ठाकुरगंज क्षेत्र में शनिवार को एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु का मामला सामने आया है। इस संबंध में 25 अप्रैल 2026 को थाना ठाकुरगंज में हरदोई जनपद के अतरौली थाना क्षेत्र के ग्राम हयातगंज निवासी नरेश पुत्र काशीराम ने अपनी बहन नीलम (लगभग 42 वर्ष) की मृत्यु के संबंध में लिखित फौती सूचना दी।सूचना के अनुसार मृतका की पूर्व में शादी ग्राम गौर, थाना अतरौली, जनपद हरदोई निवासी संजय से हुई थी, जिनसे उसके चार बच्चे हैं। बताया गया कि वर्तमान में वह अपने पति से अलग रह रही थी और संजय उर्फ कालासोना निवासी ग्राम कौडिया, थाना हरदोई के साथ लालाबाग रिंग रोड स्थित एक खाली पड़े प्लॉट के किनारे रह रही थी। परिजनों के अनुसार महिला को शराब सेवन की लत थी।बताया गया कि 25 अप्रैल 2026 को लगभग सुबह 3:30 बजे अज्ञात कारणों से महिला की मृत्यु हो गई, जिसके बाद पोस्टमार्टम कराए जाने का अनुरोध किया गया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी ठाकुरगंज पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव का प्राथमिक परीक्षण किया गया। प्रथम दृष्टया शव पर किसी प्रकार के बाहरी चोट के निशान नहीं पाए गए, हालांकि मृत्यु के बाद शव के रंग में पीला पड़ना पाया गया।मौके पर फॉरेंसिक टीम को बुलाकर आवश्यक साक्ष्य संकलित किए गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में हत्या के कोई स्पष्ट साक्ष्य नहीं मिले हैं।पुलिस के अनुसार मामले में लगाए गए आरोपों की हर पहलू से गंभीरता से जांच की जा रही है।

वाराणसी में विकास कार्यों की समीक्षा : वर्षा से पहले नालों की सफाई, ट्रिपिंग पर सख्ती और उपभोक्ताओं को राहत के निर्देश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने अपने वाराणसी भ्रमण के दौरान सर्किट हाउस में नगर विकास एवं ऊर्जा विभाग के अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में शहर के समग्र विकास, स्वच्छता व्यवस्था, जल निकासी और विद्युत आपूर्ति से जुड़े कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए मंत्री ने सभी परियोजनाओं को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के सख्त निर्देश दिए।आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए मंत्री ने नालों की सफाई कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्थिति में शहर में जलभराव की समस्या उत्पन्न नहीं होनी चाहिए। इसके लिए नगर निगम और जलकल विभाग को आपसी समन्वय के साथ निर्धारित समयसीमा में सभी नालों की सफाई सुनिश्चित करने को कहा गया। उन्होंने कहा कि वर्षा से पूर्व सभी संवेदनशील स्थलों की विशेष निगरानी की जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।सड़क एवं शहरी सौंदर्यीकरण कार्यों की समीक्षा करते हुए मंत्री ने सड़कों के किनारे इंटरलॉकिंग कार्य को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही अतिक्रमण हटाने के लिए प्रभावी अभियान चलाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि अतिक्रमण से न केवल यातायात प्रभावित होता है, बल्कि शहर की सुंदरता और व्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने निर्देशित किया कि अभियान को नियमित रूप से चलाया जाए, जिससे शहर में सुगमता और सुव्यवस्था सुनिश्चित हो सके।बैठक के दौरान सीएम ग्रिड योजना एवं वैश्विक नगरोदय योजना की प्रगति की भी समीक्षा की गई। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन योजनाओं के माध्यम से वाराणसी में विकास कार्यों को तेजी दी जाए और इनका प्रभाव धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे। उन्होंने कहा कि वाराणसी को एक आधुनिक, स्वच्छ और व्यवस्थित शहर के रूप में विकसित करने के लिए सभी विभागों को समन्वित रूप से कार्य करना होगा।

ऊर्जा विभाग की समीक्षा के दौरान मंत्री ने विद्युत ट्रिपिंग की समस्या पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वाराणसी के किसी भी क्षेत्र में बार-बार होने वाली ट्रिपिंग की समस्या स्वीकार्य नहीं है और इसे तत्काल दूर किया जाए। निर्बाध और सुचारु विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक तकनीकी और प्रबंधकीय उपाय अपनाने को कहा गया। इसके अतिरिक्त

नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने वाला आरोपी गिरफ्तार, पीड़िता सकुशल बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना ठाकुरगंज पुलिस ने नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने पीड़िता को भी सकुशल बरामद कर न्यायालय के समक्ष आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार 5 अगस्त 2025 को वादी ने थाना ठाकुरगंज में लिखित तहरीर देकर सूचना दी थी कि विपक्षी अरमान उसकी 16 वर्षीय पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। इस सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना ठाकुरगंज में मु0अ0सं0-455/25 धारा 87/137(2) बीएनएस के तहत कौसर अली उर्फ अरमान पुत्र अनवर अली निवासी मोहल्ला अंसारगंज थाना करारी, जनपद कौशाम्बी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था।मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार सुरागरसी और पतारसी की कार्रवाई की जा रही थी। इसी क्रम में मुखबिर की सूचना के आधार पर 25 अप्रैल 2026 को पुलिस टीम ने ठाकुरगंज चौराहे के पास घेराबंदी कर आरोपी कौसर अली उर्फ अरमान (उम्र 25 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी को विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।पुलिस ने इस मामले में महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए मुकदमे से संबंधित पीड़िता को भी सकुशल बरामद कर लिया है। पीड़िता को आवश्यक चिकित्सीय परीक्षण एवं अन्य वैधानिक प्रक्रिया के लिए भेजा गया है। मामले में अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक ओमवीर सिंह चौहान, उपनिरीक्षक रवीन्द्र कुमार प्रभारी चौकी बालागंज तथा आरक्षी कुलदीप कुमार कुशवाहा की प्रमुख भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों के अनुसार महिला एवं बाल सुरक्षा से जुड़े मामलों में सख्ती बरतते हुए आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जा रही है।

110 सीसीटीवी कैमरों की मदद से कैसरबाग पुलिस ने ढूंढा ऑटो, महिला का जेवरों से भरा बैग सकुशल लौटाया

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। थाना कैसरबाग पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक महिला का ऑटो में छूटा जेवरों और सामान से भरा बैग सकुशल बरामद कर ईमानदारी का उदाहरण पेश किया है। करीब 110 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर पुलिस ने अज्ञात ऑटो की पहचान की और महिला को उसका पूरा सामान सुरक्षित वापस सौंप दिया।पुलिस के अनुसार 23 अप्रैल 2026 को प्रार्थिनी रेखा पाल पत्नी रामदास, निवासी लालधाम बुद्धेश्वर ने थाना कैसरबाग में लिखित सूचना दी थी कि वह दुबग्गा से ऑटो में बैठकर कैसरबाग बस अड्डे के पास हाता पुलिस चौकी के सामने उतरी थीं। इस दौरान उनका बैग ऑटो में ही छूट गया था। बैग में कपड़े, आवश्यक वस्तुएं तथा पीली धातु के जेवरात रखे हुए थे। प्रार्थिनी ऑटो का नंबर नहीं बता पा रही थीं, जिससे मामले की चुनौती बढ़ गई थी।सूचना मिलते ही थाना कैसरबाग पुलिस ने तत्काल टीम गठित कर अज्ञात ऑटो की तलाश शुरू की। पुलिस ने आईटीएमएस कैमरों की मदद से क्षेत्र के लगभग 110 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को बारीकी से खंगाला। लगातार प्रयासों के बाद 25 अप्रैल 2026 को ऑटो संख्या UP32YN2601 की पहचान कर संबंधित महिन्द्रा ऑटो को खोज लिया गया। तलाशी के दौरान ऑटो में छूटा बैग सुरक्षित हालत में बरामद कर लिया गया।बरामदगी की सूचना मिलने पर प्रार्थिनी रेखा पाल अपने परिजनों के साथ थाना कैसरबाग पहुंचीं। पुलिस की मौजूदगी में बैग को खोला गया, जिसमें रखे सभी कपड़े, आवश्यक वस्तुएं और जेवरात सुरक्षित पाए गए। प्रार्थिनी ने मौके पर ही सामान की पहचान करते हुए पुष्टि की कि बरामद बैग और उसमें रखा सामान उनका ही है। इसके बाद पुलिस ने बैग सहित सभी सामान प्रार्थिनी को सुपुर्द कर दिया और उन्हें परिजनों के साथ सकुशल रवाना किया गया।बरामद सामान में एक सादी गले की चैन, एक मंगलसूत्र, एक जोड़ी झुमकी तथा कपड़ों सहित एक बैग शामिल है। इस सराहनीय कार्य में उपनिरीक्षक चंदन कुमार मिश्रा, उपनिरीक्षक विशाल सिंह और हेड कांस्टेबल शैलेश सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।थाना कैसरबाग पुलिस की इस तत्परता और ईमानदारी से की गई कार्रवाई से आमजन में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस कार्यवाही की सराहना करते हुए कहा कि तकनीक और सतर्कता के समन्वय से पुलिस ने एक बार फिर जनविश्वास को मजबूत किया है।

महिला आरक्षण बिल: भावनाओं का जाल- विपक्ष गिरफ्तार

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के बीच केंद्र सरकार ने देश की महिलाओं को संसद व राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ वर्ष 2034 की बजाए 2029 से देने के लिए 131वां संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया। यह संशोधन विधेयक पारित होने के लिए इसके पक्ष में दो तिहाई बहुमत चाहिए था। कांग्रेस, सपा, तृणमूल कांग्रेस व डीएमके जैसे दलों ने इस संशोधन को समर्थन नहीं दिया जिससे दो तिहाई बहुमत न मिलने के कारण यह 298 मतों के मुकाबले 230 मतों से गिर गया। लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक गिरने के बाद विपक्षी दलों ने इसको प्रधानमंत्री की हार बताते हुए मेजें थपथपाकर जश्न मनाया।

लोकसभा में विधेयक पर हुई चर्चा के दौरान ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया था कि इन सभी विधेयकों में उत्तर दक्षिण से कोई भेदभाव नहीं किया गया है तथा सरकार इसका कोई क्रेडिट भी लेना नहीं चाहती। साथ ही प्रधानमंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा था कि महिला आरक्षण का विरोध करने वाले लंबे समय तक इसका खामियाजा भुगतेंगे, नंबर का खेल समय तय करेगा किंतु नारी नीयत देखेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने सदन में मतदान से पूर्व कई बार विरोधी दलों से बिल का समर्थन प्राप्त करने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से विपक्षी सांसदों से भावुक अपील भी की थी। प्रधानमंत्री के सभी प्रयासों के बाद भी राजनैतिक स्वार्थ, अहंकार व सामंतवादी मानसिकता से त्रस्त परिवारवादी राजनैतिक दलों ने यह बिल पारित नहीं होने दिए। यदि यह विधेयक पारित हो जाते तो यह सत्र भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का महत्वपूर्ण पड़ाव बन जाता।

विधेयक को दो तिहाई मत मिलने पर विरोधी दल ऐसे आनंदित हो रहे हैं जैसे उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की सरकार गिरा दी हो। वो इसे मोदी की हार कह रहे हैं और यही विरोधी दलों ने एक राजनैतिक भूल है। महिला आरक्षण बिल भाजपा के लिए "चित भी मेरी - पट भी मेरी" वाला खेल बन गया है और पार्टी इस विषय को लेकर आक्रामक रूप से जनता में जा रही है। सदन में सभी विरोधी दलों ने परिसीमन और आरक्षण को लेकर भ्रम व झूठ का मायाजाल फैलाया। कुछ दलों ने जातीय जनगणना पर झूठ बोला और एससी-एसटी, ओबीसी, दलित आदिवासी व मुस्लिम महिलाओं के लिए अलग आरक्षण की मांग कर डाली। समाजवादी पार्टी ने दो कदम आगे जाकर 33 प्रतिशत आरक्षण के अंदर ही मुस्लिम महिलाओं के लिए पांच प्रतिशत आरक्षण की मांग करते हुए बिल को असंवैधानिक बताकर अपने मुस्लिम तुष्टिकरण के एजेंडे को आगे बढ़ाया। वास्तविकता यह है कि धर्म आधारित आरक्षण संविधान के विरुद्ध है जिसका असफल प्रयास कुछ दक्षिणी राज्यों में किया गया था जिसे सुप्रीम कोर्ट खारिज कर चुका है। वहीं यदि परिसीमन करने वाला बिल और महिला आरक्षण बिल पारित हो जाते तो जनसंख्या वृद्धि के अनुसार 2029 में महिला सांसदों की संख्या 272 हो जाती और देश के राजनैतिक परिदृश्य में एक व्यापक परिवर्तन दिखाई पड़ता।

विरोधी दलों ने लोकसभा में यह विधेयक गिरा दिया है लेकिन अब यह उनके लिए, "चिड़िया चुग गई खेत" वाली कहावत सिद्ध करने जा रहा है। भाजपा ने इसे अपने पक्ष में बड़ा राजनैतिक हथियार बना लिया है। इस विषय को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र को संबोधित करके अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कांग्रेस का काला चिट्ठा खोलकर विस्तारपवूर्वक देशवासियों के समक्ष रखा और बताया कि किस प्रकार कांग्रेस ने सभी सुधारवादी प्रयासों का विरोध किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि परिवारवादी पार्टियों को डर है कि अगर नारी सशक्त हो गई तो इनका अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। ये कभी नही चाहेंगे कि उनके परिवार के बाहर की महिलाएं आगे बढ़ें। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारा अत्मबल अजेय है, हमारे प्रयास रुकेंगे नहीं। देश की 100 प्रतिशत नारी शक्ति आशीर्वाद हमारे साथ है और हम इस संकल्प को पूरा करके रहेंगे। बंगाल और तमिलनाडु जहां अभी विधानसभा का मतदान शेष है वहां प्रधानमंत्री मोदी व गृहमंत्री अमित शाह सहित भाजपा के सभी स्टार प्रचारक अपनी रैलियों में यह मुद्दा आक्रामक ढंग से उठा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित बीजेपी व राजग शासित राज्यों के मुख्यमंत्री महिला आरक्षण पर प्रेस वार्ता करके राज्यों में विपक्षी व क्षेत्रीय दलों को बेनकाब कर रहे हैं। महिला आरक्षण बिल पास न होने पर मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि संसद में उस दिन द्रौपदी के चीरहरण जैसा दृश्य था।

पश्चिम बंगाल में माइनोरिटी, मेजॉरिटी, मसल्स, मनी, मैनेजमेंट, ममता और मोदी का चुनाव है

गार्जियन के चीफ एडिटर चित्रा घोष कहती है कि इस बार भारतीय जनता पार्टी बहुत ही सादे भेष में चुनाव लड़ रही है।

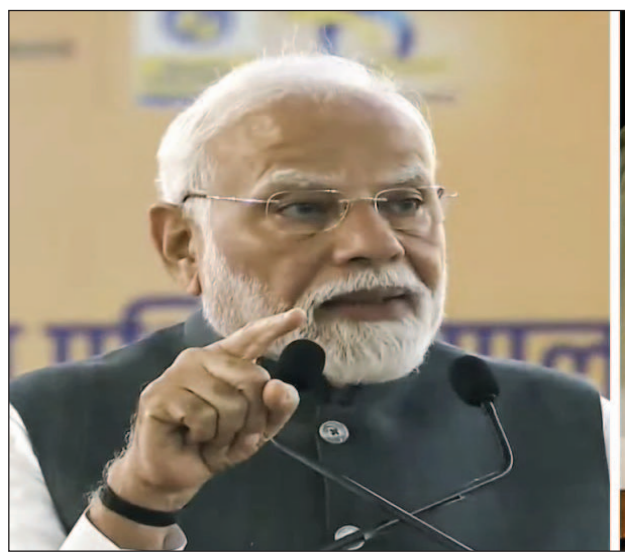

अजय दीक्षित

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव एक साधारण चुनाव नहीं है जिसमें सत्ता की लड़ाई हो। दो विचारों, अस्मिता, बर्चस्व, अस्तित्व की संघर्ष की लड़ाई यहां से बंगाल कहां जाएगा यह तय होगा। सही मायनों माइनोरिटी, मेजॉरिटी, मसल्स, मनी, मैनेजमेंट, ममता और मोदी की लड़ाई है।294 सदस्यीय विधानसभा सीटों में से 142 पर 23 को अप्रैल वोट डाले जाएंगे। गार्जियन के चीफ एडिटर चित्रा घोष कहती है कि इस बार भारतीय जनता पार्टी बहुत ही सादे भेष में चुनाव लड़ रही है। उसने 2021"तरह इस बार ममता बनर्जी को बिना नाम लिए सरकार पर हमला किया है उल्लेखनीय है कि ममता बनर्जी ने बंगाल से सीपीएम जैसी कादर आधारित पार्टी 2011के विधानसभा चुनाव में उखाड़ दिया था लेकिन 2006 विधानसभा चुनाव में तुड़मूल कांग्रेस ने केवल 35 सीट प्राप्त की थी।तब बंगाल में सीपीएम सीपीई की सरकार बनी थी लेकिन 2010 में मुख्यमंत्री बासुदेव भट्टाचार्य ने टाटा को कार बनाने के लिए नंदीग्राम में जगह दी थी वही से ममता बनर्जी का राजनीतिक उदय हुआ।2011 में सीपीएम विधानसभा चुनाव हार गई । हिंदू के संपादक जयंत घोषाल कहते हैं कि 2026 का विधानसभा चुनाव भारतीय जनता पार्टी का चुनाव है।2021 में भारतीय जनता पार्टी ने 40 प्रतिशत वोट हासिल किए और 77 विधायक चुने गए। तुड़मूल कांग्रेस ने 200 से अधिक सीट प्राप्त किया।

कभी ब्रिटिश राज्य की राजधानी रही कोलकाता को महलों , इमारतों का शहर माना जाता है। ब्रिटिश राज्य सबसे पहले बंगाल में कायम हुआ । क्लाइव राइस ने 1757 में प्लासी की लड़ाई में बंगाल के नबाब सिराजुद्दौला को हरा कर ब्रिटिश राज्य की स्थापना की तत्कालीन समय में बंगाल में आज का बांग्लादेश,असम,उड़ीसा, बिहार, झारखंड और पूर्वोत्तर राज्यों का का समूह था ।इसकी राजधानी मुर्शिदाबाद थी लेकिन ब्रिटिश ने कलकत्ता बनाई और एक किला भी बनाया जो शासन केंद्र था इसमें ब्रिटिश फौज रहती थी जिसका नाम था फोर्ट विलियम। मंगल पांडे ने इसी बंगाल की धरती से ब्रिटिश राज्य के खिलाफ बैरिक पुर से आजादी का बिगुल बजा दिया था 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम शुरू हुआ।आजादी के समय कांग्रेस ही मुख्य पार्टी थी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, खुदीराम बोस, रामकृष्ण परमहंस,शिशिर बसु, अरविंद घोष, विधानचंद्र राय, विपिन चंद्र पाल,जैसे नेता हुए । कोलकाता एक बहुआयामी नगर था जिससे ओद्योगिक इकाई थीं।मालदा, बहरामपुर,ढाका,में रेशम और पटसन का काम था। जुट उद्योग बहुत प्रसिद्ध था । लेफ्ट पार्टियों के शासन में 37 वर्षों में सब समाप्त हो गया रोज रोज के ट्रेड यूनियनों के धरनों से उद्योगों को बंद कर दिया। तुड़मूल ने कोई प्रयास नहीं किया। पश्चिमी बंगाल का विकास ,50 वर्षों से रुका हुआ है। बेरोजगारी, पलायन ही यहां की नियति है।युवा दिल्ली,मुंबई, रांची, गोहाटी जाने के लिए बाध्य है। बिहारी,बंगाली,भारत में मजदूर है। चिकित्सा, पढ़ाई के स्थापित कॉलेज भी राजनीत का शिकार हैं। लेफ्ट की रिजिम को हटाने के लिए राजीव गांधी ने प्रधानमंत्री रहते बहुत प्रयास किया था क्योंकि तत्कालीन समय में ममता बनर्जी कांग्रेस में ही थीं लेकिन असफल रहे । लेफ्ट पार्टियों ने गांव गांव नेक्सस था । शासकीय योजनाओं पर उनका कब्जा रहता था। लेफ्ट विधानसभा चुनाव में बूथ को जाम कर अपने वोट डाल देती थीं भारत में सबसे अधिक गैर कानूनी काम, घुसपेठ,बंगाल में ही होती है।यहां सर्वाधिक 35 फीसदी मतदाता मुस्लिम है।

इस बार की लड़ाई उसी माइनोरिटी से मेजॉरिटी करना चाहती है भारतीय जनता को। मसल्स, मनी, मैनेजमेंट तो भारतीय जनता पार्टी तुड़मूल कांग्रेस से अच्छा कर लेगी लेकिन लड़ाई ममता बनर्जी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच है बंगाल में ।

टिप्पणी

ईरान के इरादे अलग

संभवतः पाकिस्तान ने इस सोच के साथ मध्यस्थ बनना स्वीकार किया था कि अमेरिका की शर्तें ही वार्ता का आधार बनेंगी, जिन पर ले-देकर सहमति बन जाएगी। लेकिन ईरान के इरादे अलग हैं। वह आर-पार की लड़ाई के मूड में है।

पश्चिम एशिया में युद्ध खत्म कराने के लिए पाकिस्तान की मध्यस्थता किसी नतीजे पर पहुंचती नहीं दिखती। अमेरिका की शर्तें उसने ईरान को बताईं, मगर ईरान ने उसे ठुकराते हुए अपनी जवाबी मांग पाकिस्तान को बता दी। पाकिस्तान उस पर अमेरिका से बातचीत करने की हैसियत में है या नहीं, यह नहीं मालूम। मगर इस बीच उसने अपने यहां तीन अन्य देशों (सऊदी अरब, मिस्र और तुर्किये) के विदेश मंत्रियों की बैठक आयोजित की। समझा जाता है कि उसके नतीजों को लेकर पाकिस्तान के विदेश मंत्री इसहाक डार बीजिंग गए। लेकिन वहां जारी साझा बयान से नहीं लगता कि चीन ने उसमें दिलचस्पी दिखाई है।

साझा बयान में सामान्य भाषा का इस्तेमाल किया गया है। समझा जाता है कि पाकिस्तान ने चीन से आगे ईरान पर हमला ना होने की गारंटी करने की जिम्मेदारी लेने का अनुरोध किया। मगर फिलहाल चीन ने इस ठुकरा दिया है। दरअसल, पश्चिम एशिया में अमेरिकी अड्डे स्थायी रूप से हटाने, नुकसान का मुआवजा देने, और होरमुज जलडमरूमध्य पर ईरानी संप्रभुता को मान्यता देने की ईरान की मांगों पर कोई रजामंदी जब तक नहीं होती, आगे हमला ना होने की गारंटी कोई नहीं कर सकता। इन मांगों पर बातचीत से सहमति बनेगी, इसकी संभावना न्यूनतम है। अतः लड़ाई तुरंत खत्म होने की कोई सूरत नहीं है।

बेशक, अमेरिका में बढ़ती चुनौतियों के मद्देनजर डॉनल्ड ट्रंप युद्ध से निकलने का रास्ता ढूंढ रहे हैं, मगर लड़ाई में इजराइल भी शामिल है। ईरान की जीत की धारणा को पुष्ट करते हुए वह युद्ध खत्म करने को शायद ही तैयार होगा। दरअसल, ऐसा हुआ तो इजराइल का अस्तित्व खतरे में पड़ता दिखेगा, जिसे अभी चार तरफ से (ईरान, हिज्बुल्लाह, हूती और इराक स्थित पीएमएफ) हमलों को झेलना पड़ रहा है। इसलिए, मध्यस्थता प्रयासों के फिलहाल सफल होने की संभावना कम है। चीन की कूटनीतिक प्रतिक्रिया इसी आकलन का संकेत देती है। संभवतः पाकिस्तान ने इस सोच के साथ मध्यस्थ बनना स्वीकार किया कि अमेरिका की शर्तें ही वार्ता का आधार बनेंगी, जिन पर ले-देकर सहमति बन जाएगी। लेकिन ईरान के इरादे अलग हैं। वह आर-पार की लड़ाई के मूड में है।

ब्लॉग

रेल पटरियों का आधुनिकीकरण

अश्विनी वैष्णव

भारत में हर दिन 25,000 से अधिक ट्रेनें चलती हैं। वे प्रतिदिन 2 करोड़ से अधिक यात्रियों को ले जाती हैं और कोयला, लौह अयस्क, अनाज, स्टील, सीमेंट तथा अन्य वस्तुओं की बड़ी मात्रा को 1,37,000 किलोमीटर से अधिक लंबे रेल नेटवर्क पर एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाती हैं।

पूरी व्यवस्था जिस आधार पर काम करती है, वह रेल पटरी है। जब पटरी अच्छी स्थिति में होती है, तब ट्रेनें सुरक्षित रूप से अधिक गति से चलती हैं। लेकिन जब पटरी खराब होती है, तो इसके परिणाम गति पर रोक, देरी और सुरक्षा संबंधी जोखिम के रूप में सामने आते हैं। रेल की पटरी में दरार, कोई ढीला पुर्जा या गिट्टी की परत में रुकावट, इनमें से कोई भी चीज ट्रेन की चाल को प्रभावित कर सकती है।

रेल पटरियों के महत्व को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रेलवे ने एक दशक से अधिक समय पहले व्यापक आधुनिकीकरण कार्यक्रम शुरू किया। इस कार्य में आधुनिक मशीनों से पटरियों का नवीनीकरण, उन्नत तरीकों से जांच और निरीक्षण, मशीनीकृत रखरखाव, सुरक्षा बाड़बंदी आदि शामिल थे। इन सभी प्रयासों ने मिलकर रेल नेटवर्क की स्थिति को स्पष्ट रूप से बदल दिया है।

2014 से अब तक लगभग 55,000 किलोमीटर पटरियों का नवीनीकरण किया गया है, जिससे सुरक्षा और यात्रा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है तथा बार-बार मरम्मत की आवश्यकता कम हुई है। लगभग 44,000 ट्रैक किलोमीटर में 260 मीटर लंबे रेल पैनल बिछाए गए हैं। लंबे पैनलों का अर्थ है कम जोड़, जिससे ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुगम और सुरक्षित होती है। अब 80,000 ट्रैक किलोमीटर से अधिक हिस्से में मजबूत 60 किलोग्राम वाली रेल पटरियों का उपयोग हो रहा है, जो अधिक भार और तेज गति का समर्थन करती हैं।

मजबूत रेल पटरी बिछाना जरूरी है, लेकिन समय रहते खराबी पकड़ना भी उतना ही जरूरी है। छिपी हुई दरारों को खोजने के लिए अल्ट्रासोनिक जांच की गई है। इसके तहत करीब 36.2 लाख ट्रैक किलोमीटर और 2.25 करोड़ वेल्ड की जांच हुई। इससे रेल और वेल्ड टूटने की घटनाएं करीब 90 प्रतिशत तक कम हो गई हैं। यानी अब खराबी होने के बाद उसे ठीक करने के बजाय पहले ही पकड़कर रोक लिया जाता है।

अब रेलवे में दूसरी आधुनिक जांच तकनीकें भी इस्तेमाल हो रही हैं। नई वेल्ड की जांच के लिए चुंबकीय जांच, फ्लैश-बट वेल्ड की जांच के लिए नई मशीनें और जीपीएस से जुड़ी ऐसी व्यवस्था लगाई गई है, जो ट्रेन की यात्रा की गुणवत्ता मापती है और पटरी के खराब हिस्से की सही जगह बता देती है।

भारतीय रेलवे की ट्रैक मशीनों की संख्या 2014 में 748 थी, जो 2026 में बढ़कर 1,785 हो

गई है। ये मशीनें पटरी को ठीक करने, गिट्टी साफ करने और रेल को घिसकर बराबर करने का काम हाथ से होने वाले काम की तुलना में ज्यादा तेज, बेहतर और एक समान तरीके से करती हैं।

पटरी के नीचे बिछी गिट्टी की परत को साफ करने में मशीनों ने बड़ा फर्क पैदा किया है। यही गिट्टी पानी निकालने, कंपन कम करने और पटरी को मजबूत बनाए रखने का काम करती है। लेकिन समय के साथ ट्रेनों के लगातार वजन और कंपन से ये पत्थर टूटकर पाउडर जैसे हो जाते हैं। इससे गिट्टी की परत जाम हो जाती है और वह ठीक से काम नहीं कर पाती।

इसलिए गिट्टी की सफाई की जाती है, ताकि पटरी फिर से सही हालत में आ जाए। यह काम एक लाख किलोमीटर से ज्यादा रेल पटरियों पर किया जा चुका है और ज्यादातर काम मशीनों से हुआ है। इसी तरह पटरी की ऊपरी सतह की खराबी दूर करने के लिए भी एक लाख किलोमीटर से ज्यादा रेल की ग्राइंडिंग की गई है। इससे ट्रेन का सफर ज्यादा आरामदायक और सुरक्षित हुआ है।

हर साल ट्रेनों की संख्या बढ़ रही है, इसलिए ट्रेनों के बीच रखरखाव के लिए मिलने वाला समय कम होता जा रहा है। ऐसे में मशीनों की मदद से कम समय में ज्यादा काम हो जाता है और ट्रेन सेवाएं भी प्रभावित नहीं होतीं। लेकिन सुरक्षा सिर्फ पटरी पर नहीं, बल्कि वहां भी जरूरी है जहां ट्रेनें लाइन बदलती हैं। इसलिए भारतीय रेलवे ने पटरी बदलने के साथ कई दूसरे सुधार भी किए हैं। करीब 17,500 किलोमीटर तक सुरक्षा के लिए बाड़ लगाई गई है, खासकर उन जगहों पर जहां ट्रेनें 110 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा रफ्तार से चलती हैं। इससे लोगों और जानवरों के पटरी पर आने की घटनाएं कम होती हैं।

जहां ट्रेनें एक लाइन से दूसरी लाइन पर जाती हैं, वहां 36,000 नए और मजबूत स्विच लगाए गए हैं और 7,500 खास तरह के क्रॉसिंग लगाए गए हैं। ये ज्यादा समय तक चलते हैं और ट्रेन को बिना झटके के गुजरने देते हैं। 2019 से चौड़े और भारी स्लीपर लगाए जा रहे हैं, जिससे पटरी ज्यादा मजबूत रहती है, खासकर गर्मियों में। पुलों पर भी मजबूत स्लीपर लगाए गए हैं और यार्ड के अंदर लंबी वेल्ड वाली पटरियां बिछाई गई हैं। इससे पूरा रेलवे नेटवर्क और मजबूत हुआ है।

रेल पटरियों के आधुनिकीकरण का सबसे साफ असर ट्रेनों की रफ्तार बढ़ने की क्षमता के रूप में दिखाई देता है।

130 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे ज्यादा रफ्तार के लिए तैयार रेल पटरी का हिस्सा पहले सिर्फ 6 प्रतिशत था, जो अब बढ़कर करीब 23 प्रतिशत हो गया है। इसी तरह 110 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे ज्यादा रफ्तार वाली पटरी पहले करीब 40 प्रतिशत थी, जो अब 80 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इससे सफर का समय कम हुआ है, ट्रेनें ज्यादा समय पर चल रही हैं और वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी तेज ट्रेनें चलाना आसान हुआ है।

इन सुधारों का असर सुरक्षा पर भी दिखा है। 2014-15 में 135 बड़े रेल हादसे हुए थे, लेकिन 2025-26 में यह संख्या घटकर सिर्फ 16 रह गई। यानी हादसे लगभग 89 प्रतिशत कम हो गए। हर 10 लाख किलोमीटर चलने वाली ट्रेनों पर हादसों की दर भी 0.11 से घटकर 0.01 हो गई है। यह लगभग 90 प्रतिशत सुधार है। खास बात यह है कि ट्रेनों और यात्रियों की संख्या बढ़ने के बावजूद हादसे कम हुए हैं।

अब रेलवे ने एक नई ऑनलाइन व्यवस्था भी शुरू की है, जिसे ट्रैक मैनेजमेंट सिस्टम(टीएमएस) कहा जाता है। इसमें पटरी की जांच, ट्रेन के सफर की गुणवत्ता और पटरी की हालत से जुड़ी सारी जानकारी एक जगह मिल जाती है। इससे रेलवे को जल्दी समझ आ जाता है कि कहां काम करने की जरूरत है और समय रहते सुधार किया जा सकता है।

बारह साल पहले भारत की 60 प्रतिशत रेल पटरियां 110 किलोमीटर प्रति घंटे से कम रफ्तार तक ही सीमित थीं। रेल पटरी टूटने की घटनाएं आम थीं और ज्यादातर रखरखाव हाथ से किया जाता था। आज स्थिति बदल चुकी है। अब करीब 80 प्रतिशत रेल नेटवर्क 110 किलोमीटर प्रति घंटे या उससे ज्यादा रफ्तार संभाल सकता है। रेल और वेल्ड टूटने की घटनाएं 90 प्रतिशत तक कम हो गई हैं और करीब 1,800 ट्रैक मशीनें काम कर रही हैं।

लाखों यात्रियों और रेल माल ढुलाई पर निर्भर कारोबारों के लिए इन बदलावों का बड़ा असर पड़ा है। अब सफर ज्यादा आरामदायक हुआ है, यात्रा का समय कम हुआ है और रेलवे नेटवर्क पहले से ज्यादा भरोसेमंद बना है। काम अभी पूरा नहीं हुआ है, लेकिन अब तक हुई प्रगति यह दिखाती है कि लगातार मेहनत और निवेश से कितना बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

लेखक, भारत सरकार के रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री हैं

मऊ में भीषण सड़क हादसा, डिवाइडर से टकराई स्कॉर्पियो, बेटी की शादी से लौट रहे 5 की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

मऊ। उत्तर प्रदेश के मऊ में भीषण सड़क हादसा हुआ है। यहां दोहरीघाट में बरसातपुर-अहिरानी हाईवे पर एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो वाहन अचानक अनियंत्रित हो गया। इसके बाद वाहन अपने लेन से भटककर डिवाइडर से टकराया और दूसरी लेन में पहुंच गया, जहां सामने से आ रहे एक ट्रेलर से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। इस हादसे में पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।

ये हादसा शनिवार सुबह तीन बजे हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार पांच लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वाहन में मौजूद एक पालतू कुत्ते की भी जान चली गई। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंच गए।

शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

स्थानीय लोगों ने बचाव कार्य में सहयोग करने की कोशिश की, लेकिन टक्कर इतनी गंभीर थी कि किसी को बचाया नहीं जा सका। सूचना मिलते ही दोहरीघाट थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया। इस हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान विनय श्रीवास्तव (53 वर्ष), उनके पुत्र कृतार्थ श्रीवास्तव (27 वर्ष), उनकी पत्नी अर्चना श्रीवास्तव (48 वर्ष), तथा बिहार के गया जिले के निवासी रविन्द्र यादव (20 वर्ष) और पुरुषोत्तम कुमार (28 वर्ष) के रूप में हुई है।

परिवारों में कोहराम मचा

शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह परिवार रांची में अपनी बेटी की शादी समारोह संपन्न कराकर वापस अपने घर लौट रहा था। खुशियों से भरी यह यात्रा अचानक मातम में बदल गई। जैसे ही हादसे की खबर परिजनों और क्षेत्र के लोगों तक पहुंची, हर कोई स्तब्ध रह गया। पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है और मृतकों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। घटना के संबंध में घोसी सर्किल के क्षेत्राधिकारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि स्कॉर्पियो वाराणसी की ओर से गोरखपुर जा रही थी, जबकि ट्रेलर गोरखपुर से वाराणसी की ओर आ रहा था। इसी दौरान स्कॉर्पियो वाहन डिवाइडर से टकराकर दूसरी लेन में चला गया और सामने से आ रहे ट्रेलर से भिड़ गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

होमगार्ड के लिए लिखित परीक्षा का शुभभारंभ

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश होमगार्ड्स के पदों के लिए लिखित परीक्षा शनिवार से शुरू हो गई है। जिले के 19 केंद्रों पर 50 हजार 400 अभ्यर्थी यह परीक्षा में भाग ले रहे है। यह परीक्षा 27 अप्रैल तक चलेगी, जिसके लिए प्रशासन ने नकल विहीन आयोजन के पुख्ता इंतजाम किए हैं।परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जा रही है। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। प्रत्येक पाली में 8 हजार 400 अभ्यर्थी शामिल होंगे। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। अभ्यर्थियों को बायोमेट्रिक जांच और फ्रिस्किंग के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है। सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे भी चालू रखे गए हैं। नकल विहीन परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी

केंद्रों पर सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक और बाह्य परीक्षा सहायकों की तैनाती की गई है। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए जिला स्तर के कुछ अधिकारियों को आरक्षित वर्ग में भी रखा गया है। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने मुख्य चिकित्साधिकारी और सभी केंद्र व्यवस्थापकों को गर्मी के मद्देनजर परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए पर्याप्त इंतजाम करने के निर्देश दिए थे। तेज धूप को देखते हुए, दूर-दराज से आने वाले अभ्यर्थियों के लिए प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था अनिवार्य की गई है।लू और गर्मी से बचाव के लिए प्रत्येक केंद्र पर ओआरएस, इलेक्ट्रॉल पाउडर और आवश्यक जीवन रक्षक दवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। स्वास्थ्य विभाग को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत प्राथमिक उपचार दिया जा सके। परीक्षार्थियों के लिए गुड़ और पेठा जैसी राहत सामग्री भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे उन्हें तेज गर्मी में कुछ राहत मिल सके।

दामाद ने ससुर को बेरहमी से पीटा, दोनों पैर के घुटने व हाथ तोड़े और चाकू से किए वार, हुई मौत

आर्यावर्त संवाददाता

हाथरस। हाथरस जंक्शन के गांव महौ में बीती 22 अप्रैल को शराब के नशे में धुत दामाद ने ससुर को बहुत बेरहमी से पीट दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उनका उपचार प्राइवेट अस्पताल में चल रहा था। वहां से शुक्रवार सुबह उन्हें जिला अस्पताल की इमरजेंसी लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। आरोपी दामाद की तलाश की जा रही है।

महौ के रहने वाले प्यारेलाल (75) मजदूरी करते थे। उनकी चार बेटियां हैं, सबकी शादी हो चुकी है। अकेले रह जाने के कारण प्यारेलाल ने छोटी बेटी लता देवी को साथ रख लिया था। लता का पति विजय उर्फ भीमसेन निवासी भया चामड़ इगलास (अलीगढ़) भी साथ में ही रहता था। परिवार के ही लोगों ने बताया कि विजय आए दिन नशे में ससुर के साथ मारपीट करता था। पहले भी उनके साथ दो बार मारपीट की गई थी, लेकिन समझौता हो गया था।

परिजनों के मुताबिक विजय 22 अप्रैल की रात को शराब पीकर घर पहुंचा। किसी बात को लेकर घर में कहासुनी हो गई और उसने प्यारेलाल पर हमला बोल दिया। उनको बेरहमी से पीटा, जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके दोनों पैरों के घुटने व दोनों हाथ तोड़ दिए थे। शरीर पर भी कई जगह चाकू के निशान थे।

लता की चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी एकत्रित हो गए। जगार होने पर विजय भाग गया। परिजन घायल प्यारेलाल को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से प्राइवेट अस्पताल ले गए। वहां उपचार चला। शुक्रवार तड़के उनकी तबीयत बिगड़ गई। प्राइवेट अस्पताल वालों ने हाथ खड़े कर दिए तो परिजन उन्हें लेकर सुबह चार बजे जिला अस्पताल की इमरजेंसी पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने जांच करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सीओ जेएन अस्थाना ने बताया कि मृतक के रिश्तेदार की ओर से आरोपी विजय के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर धाराएं बढ़ाई जाएंगी। आरोपी की तलाश की जा रही है।

धूम धाम से मनाया साईं बाबा का स्थापना दिवस

जौनपुर। नगर के हुसैनाबाद तिलकधारी महाविद्यालय के बगल स्थित साईं बाबा मंदिर का 30 वा स्थापना दिवस शुक्रवार को धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ साईं बाबा मंदिर में विधिवत आरती के उपरांत शुरू हुआ। मंदिर के पुजारी पंकज पांडे द्वारा बाबा की आरती कराई गई। पालकी अपने निर्धारित रास्तों से चलते हुए गायत्री माता मंदिर तक हाथी घोड़ा पालकी रथ डीजे बैंड के साथ पहुंची वहां मां गायत्री की आरती के पश्चात पुनः पालकी साईं बाबा मंदिर धाम में पहुंची जहां आरती के उपरांत पालकी का समापन किया गया। तदुपरांत भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान बाबा की पालकी की एक झलक पाने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु बाबा के दरबार में जमे रहे । बाबा के भक्त नाचते गाते बाबा की पालकी लेकर चलते हैं। मंदिर के प्रबंधक संजय सिंह संरक्षक व वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत सिंह , इंद्र भान सिंह इंदु, भार्गव सिंह सहित मंदिर परिवार के तमाम सदस्य उपस्थित रहे।

झांसी में रात में 'खूनी खेल', 3 साल के बेटे की चाकू से वारकर हत्या, फिर कातिल पिता ने लगा ली फांसी

आर्यावर्त संवाददाता

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां रक्सा थाना क्षेत्र के ढिमरपुरा में एक पिता ने अपने ही तीन साल के मासूम बेटे की बेरहमी से चाकू मारकर हत्या कर दी और इसके बाद खुद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वहीं, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक पिता प्रेम सिंह देर रात एक शादी समारोह से घर लौटा था। उस समय वह शराब के नशे में धुत था। घर पहुंचने के बाद उसकी पत्नी आशा से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने के बाद पत्नी सोने चली गई, लेकिन इसी बीच प्रेम सिंह ने अपने मासूम बेटे को मां के पास से उठाया और उसे कमरे में ले गया। इसके बाद उसने वह खौफनाक कदम उठा लिया, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी।

पत्नी आशा ने बताया कि देर रात जब उसका बेटा दूध पीने के लिए उसके पास नहीं आया, तो उसे चिंता हुई। शक होने पर उसने कमरे की खिड़की से अंदर झांककर देखा, जहां का मंजर देखकर उसके होश उड़ गए। अंदर उसका पति फांसी के फंदे से लटका हुआ था, जबकि उसका मासूम बेटा खून से लथपथ जमीन पर पड़ा तड़प रहा था। उसने दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन दरवाजा अंदर से बंद था। इसके बाद उसने तुरंत डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुई। कमरे का दृश्य इतना भयावह था कि वहां मौजूद हर व्यक्ति सन्न रह गया। पुलिस ने तुरंत दोनों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। मासूम बच्चे की मौत हो चुकी थी और पिता का शव फंदे से लटका मिला।

गांव में हड़कंप मचा

घटना की खबर फैलते ही पूरे गांव में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। मृतक की पत्नी ने बताया कि पति की शराब की आदत अक्सर घर में विवाद का कारण बनती थी। वहीं परिवार के अन्य सदस्यों और बेटी कशिश ने भी इस भयावह घटना को अपनी आंखों से देखने की बात कही है। सीओ सदर रामवीर सिंह के अनुसार, पुलिस को 112 पर आत्महत्या की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचकर जब दरवाजा तोड़ा गया, तो अंदर का दृश्य बेहद चौंकाने वाला था। फिलहाल पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

निराश्रित गोवंश के लिए 10हजार क्विंटल भूसा दान से संग्रहित

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा पहल की गई है। जिलाधिकारी ने गोवंश के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी भूसा दान में बढ़-चढ़कर सहयोग करने वाले संभ्रांत जन, कृषक, जिन्होंने विभिन्न गोशालाओं में भूसा दान देकर निराश्रित गोवंश के संरक्षण और भरण पोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, उनका आभार व्यक्त किया। जिलाधिकारी ने बताया कि शासन की ओर से गोवंश के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, किंतु जनसहयोग के माध्यम से अतिरिक्त संसाधन प्राप्त होने पर उनके बेहतर पोषण एवं देखभाल में सहायता मिलती है। इस वर्ष भी विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें स्वेच्छा से भूसा दान करने वाले दानदाताओं को "पुण्य की एफडी" के रूप में एक प्रतीकात्मक प्रमाण पत्र प्रदान किया जा रहा है। इस अभिनव पहल की सराहना मुख्य सचिव द्वारा भी की गई है। अभियान के अंतर्गत नागरिकों से अपील की गई है कि वे निराश्रित गोवंश के कल्याणार्थ अधिक से अधिक भूसा दान देकर इस पुनीत कार्य में सहभागी बनें और "पुण्य की एफडी" प्रमाण पत्र प्राप्त करें। साथ ही यह भी आग्रह किया गया कि आमजन अपने घरों के आसपास पशु-पक्षियों के लिए जल एवं दाना की व्यवस्था कर मानवीय संवेदनाओं का परिचय दें। नगर पालिका परिषद के कृषि भवन स्थित गौशाला में मुख्य राजस्व अधिकारी अजय कुमार अंबष्ट द्वारा 18 क्विंटल भूसा दान किया गया, जिसपर जिलाधिकारी द्वारा मुख्य राजस्व अधिकारी को "पुण्य की एफडी" प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

13 साल के बच्चे का कातिल निकला एक्स-मुस्लिम सलीम वास्तिक, अरेस्ट... 25 साल तक कैसे छिपाया काला सच?

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के एक्स-मुस्लिम सलीम वास्तिक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने उसे एक 31 साल पुराने अपहरण और हत्या के मामले में गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि वह वही शख्स है, जो 1995 में हुए एक 13 वर्षीय बच्चे के मर्डर केस में दोषी ठहराया जा चुका था और पिछले करीब 25 साल से फरार चल रहा था।

पुलिस के मुताबिक, साल 1995 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली के एक कारोबारी के बेटे संदीप बंसल का अपहरण कर लिया गया था। अपहरण के अगले ही दिन आरोपियों ने फोन कर 30,000 रुपये की फिरौती मांगी और रकम न मिलने पर बच्चे की हत्या की धमकी दी। मामले की जांच के दौरान पुलिस का शक सलीम खान नाम के युवक पर गया, जो उस समय बच्चे के स्कूल में मार्शल आर्ट्स सिखाता था।

पुलिस हिरासत में पूछताछ के दौरान सलीम ने अपना जुर्म कबूल कर लिया था। उसकी निशानदेही पर संदीप बंसल का शव बरामद किया गया, जिससे पूरे मामले का खुलासा हो गया। इसके बाद अदालत में सुनवाई के दौरान साल 1997 में सलीम खान और उसके साथी अनिल को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। हालांकि, यह मामला यहीं खत्म नहीं हुआ। साल 2000 में सलीम को दिल्ली हाईकोर्ट से अंतरिम जमानत मिल गई, जिसके बाद वह फरार हो गया और फिर कभी अदालत में पेश नहीं हुआ। बाद में 2011 में हाईकोर्ट ने उसकी सजा को बरकरार रखा, लेकिन तब तक वह कानून की पकड़ से दूर हो चुका था।

सलीम ने अपनी पहचान बदल ली थी

गिरफ्तारी से बचने के लिए सलीम ने अपनी पहचान पूरी तरह बदल ली। उसने खुद को मृत घोषित कर दिया, ताकि पुलिस को गुमराह किया जा सके। इसके बाद उसने अपना नाम बदलकर सलीम अहमद उर्फ सलीम वास्तिक रख लिया और हरियाणा व उत्तर प्रदेश के विभिन्न इलाकों में छिपकर रहने लगा। आखिरकार वह गाजियाबाद के लोनी इलाके में आकर बस गया, जहां वह कपड़ों का कारोबार करने लगा। इसी दौरान उसने सोशल मीडिया और यूट्यूब पर भी सक्रियता बढ़ाई और अपने विवादित बयानों के कारण चर्चा में आ गया। हाल ही में सलीम पर हमला हुआ था, जिसकी वजह से काफी सुर्खियों में रहा। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने पुराने रिकॉर्ड, फिंगरप्रिंट और फोटो के आधार पर उसकी पहचान की पुष्टि की। लंबी जांच और निगरानी के बाद पुलिस ने लोनी से उसे गिरफ्तार कर लिया।

बरेली में दूल्हे की मौत : पेड़ पर फंदे से लटका मिला शव, शाम को जानी थी बरात ; परिवार ने लगाया हत्या का आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

शाही (बरेली)। बरेली के शाही थाना क्षेत्र में शादी के दिन बरात जाने से ठीक पहले एक युवक का शव शनिवार सुबह साप्ताहिक बाजार में आम के पेड़ से लटका मिला। इस घटना से शादी वाले घर में मातम पसर गया। मृतक के परिवार ने इसे हत्या बताते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

शाही कस्बा के मोहल्ला सुभाषनगर निवासी युवक देवेंद्र मौर्य (22 वर्ष) की शादी रिठौरा के उद्धानापुर गांव में तय हुई थी। शनिवार को बरात जानी थी। शुक्रवार को लग्न का कार्यक्रम धूमधाम से संपन्न हुआ और रात में डीजे पर खुशियां मनाई गईं। डीजे की तेज आवाज पर मोहल्ले के कुछ लोगों को आपत्ति होने पर उसे मुख्य दरवाजे के पास लगा लिया गया था। रात दो बजे तक खुशियां मनाने के बाद देवेंद्र अपने बहनोई और अन्य रिश्तेदारों के साथ सोने चला गया। शनिवार सुबह पड़ोसियों ने सूचना दी कि देवेंद्र साप्ताहिक बाजार में आम के पेड़ से लटका हुआ है। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर देखा तो देवेंद्र का शव करीब छह फुट की ऊंचाई पर पतली रस्सी से आम के टहनी में बंधा था, उसके पैर जमीन पर मुड़े हुए थे। प्रत्यक्षदर्शी इस बात से हैरान थे कि इतनी कम ऊंचाई से कोई आत्महत्या कैसे कर सकता है।

मृतक के पिता रामदास मौर्य ने कहा कि बेटे की किसी से कोई रंजिश नहीं थी और वह आत्महत्या नहीं कर सकता, बल्कि उसकी हत्या कर लटकाया गया है। मृतक देवेंद्र दो भाई और एक बहन में सबसे छोटा था और मेहनत मजदूरी कर परिवार का सहयोग करता था। उसके दाहिने हाथ में शादी का कंगन और हाथों में मेहंदी लगी थी। वह दो दिन पहले ही बरेली से अपनी पसंद का कोट-पैंट लाया था।

पुलिस जांच और परिवार का आरोप

सूचना मिलने के आधे घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची, हालांकि थाना अध्यक्ष करीब डेढ़ घंटे बाद घटनास्थल पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने भी पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की। पुलिस ने शव को पेड़ से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थाना अध्यक्ष देवेंद्र सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। परिवार का आरोप है कि यह आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या है।

गंगा में शव मिलने से लेकर गाजीपुर में बवाल तक, नेहा विश्वकर्मा केस में कब क्या-क्या हुआ?

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। यूपी के गाजीपुर जिले के करंडा थाना क्षेत्र के कटरिया गांव में नाबालिग विश्वकर्मा समाज की लड़की नेहा की संदिग्ध मौत ने अब राजनीतिक मोड़ ले लिया है। आज प्रियंका गांधी और राहुल गांधी ने X पोस्ट कर इस मामले को उठाया। आइए जानते हैं कि इस घटना में अब तक कब क्या हुआ।

14-15 अप्रैल

14 अप्रैल की देर रात नाबालिग नेहा विश्वकर्मा घर से लापता हो गई। रात करीब 2 बजे सीसीटीवी में वह अकेले जाती हुई दिखी। कुछ देर बाद उसने अपने पिता को फोन किया, लेकिन फिर संपर्क नहीं हो सका। 15 अप्रैल को पीआरबी 112 से सूचना मिली कि जमानिया गंगा पुल के पास एक युवती का शव मिला है। परिवार

के पहुंचने पर उसकी पहचान नेहा के रूप में हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

20 अप्रैल

पोस्टमार्टम में डूबने से मौत की बात सामने आई, लेकिन परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसके बाद मामला राजनीतिक रंग लेने लगा। समाजवादी पार्टी, भीम आर्मी समेत कई संगठनों ने प्रदर्शन किया। विधायक डॉ. वीरेंद्र यादव और जय किशन साहू ने सरकार पर सवाल उठाए।

21 अप्रैल

अखिलेश यादव ने लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गाजीपुर में डेलिगेशन भेजने की घोषणा की। इसी दिन कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल गांव पहुंचा और शांतिपूर्ण तरीके से परिवार से मिलकर लौट गया।

22 अप्रैल

समाजवादी पार्टी का डेलीगेशन पूरे दल बल के साथ कटरिया गांव पहुँचता है। एक तरफ ग्राम प्रधान प्रतिनिधि के साथ ग्रामीण होते हैं, दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी का 11 सदस्यीय डेलीगेशन कम से कम डेढ़ सौ समर्थकों के साथ होता है और बीच में पुलिस होती है। समाजवादी पार्टी के डेलीगेशन को रोका जाता है, सब वहीं धरने पर बैठ जाते हैं। ग्राम प्रधान का प्रतिनिधि लगातार बहस करते हुए हाइपर ऐक्टिव रहता है। दोपहर तक दोनों पक्षों में मारपीट के बाद ईंट पत्थर चलने शुरू हो जाते हैं। थाना प्रभारी समेत कुछ पुलिसकर्मी भी पत्थरबाजी में घायल होते हैं। बलिया से सपा सांसद सनातन पांडेय ने पुलिस पर पोस्टमार्टम रिपोर्ट बदलवाने तक का आरोप लगा दिया।

23 अप्रैल

कटारिया गांव पहुंचे सपा डेलिगेशन के बाद हुए हंगामा के मामले में पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई करते हुए 47 लोगों को नामजद और 200 अज्ञात के खिलाफ दर्ज किया मुकदमा। हंगामे के बाद से अब तक कुल दस लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सपा जिला अध्यक्ष गोपाल यादव, जंगीपुर विधायक डॉ वीरेंद्र यादव सदर विधायक जय किशन साहू समेत कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ।

24 अप्रैल

मामले ने और तूल पकड़ा। अनिल राजभर ने विपक्ष पर माहौल बिगाड़ने का आरोप लगाया। वहीं अखिलेश यादव ने 29 अप्रैल को गाजीपुर जाकर पीड़ित परिवार से मिलने की घोषणा की। उन्होंने गाजीपुर की घटना को हाथरस और अन्य घटनाओं से जोड़ते हुए न्याय पर सवाल उठाया। प्रशासन हरकत में आया और वाराणसी रेंज के आईजी व डीआईजी ने गांव पहुंचकर फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई का आश्वासन दिया। वहीं लोहिया वाहिनी के अध्यक्ष भी अखिलेश यादव के निर्देश पर गाजीपुर पहुंचे उन्होंने हाईकोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने की अपील की

25 अप्रैल

राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया के जरिए मामला उठाया, जिससे यह मुद्दा राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आ गया। फिलहाल, यह मामला एक संदिग्ध मौत से निकलकर राजनीतिक टकराव और कानून-व्यवस्था की बड़ी चुनौती बन चुका है। पुलिस जांच जारी है और प्रशासन स्थिति को नियंत्रण में रखने की कोशिश कर रहा है।

वो ऑयल जिन्हें लगाने से पूरी बॉडी की स्किन को होता है फायदा

गर्मियों में स्किन केयर के लिए लोग फेस पर ज्यादा फोकस करते हैं। लेकिन पूरी बॉडी की स्किन पर ध्यान बहुत कम लोगों का जाता है। इस आर्टिकल में उन ऑयल के बारे में जानें जो पूरी बॉडी की स्किन को ग्लो करने में मदद करते हैं।

स्किन को हाइड्रेटिंग रखने के साथ-साथ मॉइस्चराइज रखना भी जरूरी है। स्किन अगर मॉइस्चराइज रहती है तो बाहर से सॉफ्ट और शाइनी नजर आती है। गर्मी के स्किन केयर की बात करें तो लोग हाइड्रेशन पर ज्यादा फोकस करते हैं। समर में स्किन से पसीना निकलता है जिससे ड्राईनेस की शिकायत होती है। ऐसे में सलाह दी जाती है कि ऐसी चीजों को खाएं और स्किन पर लगाएं जिनमें पानी की मात्रा ज्यादा हो। वैसे यहां हम गर्मी में स्किन को कैसे मॉइस्चराइज किया जा सकता है ये आपको बताने जा रहे हैं। मार्केट में अलग-अलग तरह के बॉडी लोशन मिलते हैं लेकिन इनमें केमिकल मिले होने का खतरा बना रहता है। ऐसे प्रोडक्ट्स से इंस्टेंट रिजल्ट मिल जाते हैं पर आगे चलकर स्किन पर समस्याएं होती हैं। इसकी जगह आप बॉडी को नेचुरली मॉइस्चराइज करने के लिए कुछ ऑयल का यूज कर सकते हैं। चलिए आपको बताते हैं उन ऑयल के बारे में जो पूरी बॉडी की स्किन को ग्लोइंग और हेल्दी बना सकते हैं।

कोकोनट ऑयल से स्किन केयर

ये एक तरह का मल्टीटास्कर है क्योंकि ये हमारी स्किन और हेयर दोनों के लिए फायदेमंद है। इसमें कई फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। इन तत्वों हमारी स्किन के अंदर जाकर इसके स्मूद, सॉफ्ट और नेचुरली ग्लोइंग बनाते हैं। नारियल तेल से बेस्ट रिजल्ट पाने के लिए इसे नहाने से पहले स्किन पर लगाएं क्योंकि ऐसा करने से ये अच्छे से एब्जॉर्ब हो पाता है। पूरे दिन सन एक्सपोजर की वजह से स्किन ड्राई और थका हुआ महसूस करती है। इसके लिए आप नारियल तेल में लेवेंडर की कुछ बूंद डालकर स्किन को नरिश कर सकते हैं।

बादाम का तेल

इस ड्राई फ्रूट से बने ऑयल को पूरी बॉडी पर लगाया जाए तो इससे इंस्टेंट ग्लो और सिल्की स्मूदनेस आती है। इसमें विटामिन ई, जिंक और हेल्दी फैट्स होते हैं। इसे लगाने के बाद स्किन डीप मॉइस्चराइज हो पाती है जिससे टैन कम होती है और डलनेस भी दूर होती है। रोजाना नहाने से कुछ देर पहले गुनगुना बादाम का तेल लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें। बादाम के ऑयल से स्किन में ब्लड फ्लो बेहतर होता है। अगर आप इसे रोजाना पूरी बॉडी पर लगाते हैं तो इससे स्किन सॉफ्ट बनती है और नेचुरल ग्लो भी आता है।

तिल का तेल

गर्मी में भी स्किन पर तिल का तेल लगाया जा सकता है लेकिन इसकी लिमिट में लगाना चाहिए। इस ऑयल में विटामिन ई और कई एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो डल और ड्राई स्किन के लिए गेम चेंजर साबित हो सकते हैं। आयुर्वेद में इसे अभयंगा मसाज में इस्तेमाल किया जाता है जो डिटॉक्सीफाइ में कारगर है। स्किन में ड्राईनेस रहती है तो तिल का तेल एक बेहतरीन उपाय है। इसे शरीर पर लगाने के बाद 10 मिनट की मसाज करें। इससे ब्लड फ्लो बेहतर होगा और त्वचा हेल्दी भी बन पाएगी।

सरसों का तेल

भारतीय किचन में सरसों का तेल जरूर शामिल होता है। इसकी बदबू थोड़ा परेशान कर सकती है लेकिन स्किन पर भी इसके कई फायदे हैं। भारतीयों के इस फेवरेट ऑयल में ओमेगा-3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंटस होते हैं। ये तत्व ब्लड सर्कुलेशन को बूस्ट करते हैं और कॉम्पलेक्शन भी ब्राइट होता है। इसे लगाते हुए बदबू परेशान न करें इसके लिए इसमें जैस्मीन या लैवेंडर ऑयल की कुछ बूंदें मिक्स करें। स्किन को डीप नरीशिंग बेनिफिट मिलने से ये नेचुरली ग्लो कर पाती है।

फैशन इंडस्ट्री की बिग नाइट मेट गाला का टिकट प्राइस, टाइमिंग और दूसरी डिटेल्स

मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट कॉस्ट्यूम इंस्टीट्यूट बेनेफिट यानी मेटा गाला एक ऐसा इवेंट है, जो हर साल चर्चा में रहता है। ये हर साल मई के पहले सोमवार को न्यूयॉर्क में होस्ट किया जाता है। इसका उद्देश्य मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम कॉस्ट्यूम इंस्टीट्यूट के लिए पैसे इकट्ठा करने के लिए किया जाता है। इस फैशन इवेंट में दुनियाभर के सेलेब्स और फैशन इंफ्लुएंसर शिरकत करते हैं। फिर चाहे प्रियंका चोपड़ा हो या फिर ईशा अंबानी। हर साल हर कोई नए अंदाज में यहां पहुंचता है। मेट गाला के लिए हर बार कॉस्ट्यूम के लिए एक थीम डिसाइड की जाती है, जिसके चलते ही सेलेब्स अपना लुक क्रिएट करते हैं।

वहीं, अब फिर से इस फैशन जगत की शानदार रात का आयोजन होने जा रहा है। मई के पहले सोमवार यानी 4 तारीख को मेट गाला आयोजन किया जा रहा है। इस शानदार इवेंट की लाइव स्ट्रीम भी की जाती है। चलिए इस आर्टिकल में आपको बताते हैं मेट गाला को आप कहां देख सकते हैं। साथ ही इसका टिकट प्राइज कितना रखा गया है।

हर साल की तरह इस बार भी मेट गाला की एक अलग थीम रखी गई है। इस बार इवेंट की थीम 'कॉस्ट्यूम आर्ट' रखी गई है। ये थीम शरीर को सजाने पर फोकस करेगी। इसमें 5, 000 साल पुरानी कलाकृतियों और कपड़ों का इस्तेमाल करके फैशन और कला के बीच के कनेक्शन ढूंढ़ा जाएगा।

मेट गाला का टिकट प्राइज

फैशन इंडस्ट्री की इस ग्रैंड रात को देखने के लिए भारी रकम चुकानी पड़ती है। पहले जब इवेंट को टेलीकास्ट नहीं किया जाता था। तब टिकट प्राइज 50 डॉलर से शुरु होता है, जो इंडियन रुपये में 4, 600 था। लेकिन अब गेस्ट लिस्ट काफी एक्सक्लूसिव हो गई है। ऐसे में हर सीट की अलग-अलग टिकट रखी गई है, जो लगभग 30,000 डॉलर से शुरू होकर 50,000 डॉलर तक जाती है, यानी लगभग 28 से 46 लाख रुपये। अब इसमें मुख्य रूप से फिल्म, संगीत और फैशन जगत के लोग शामिल होते हैं, जो कुछ घंटों के लिए इतनी ऊंची कीमत चुका सकते हैं। आम जनता इतना महंगा टिकट नहीं खरीद सकती है। ऐसे में अब इवेंट को टेलीकास्ट किया जाने लगा है। जिसे आप घर बैठे इसे देख सकते हैं।

कहां देखें मेट गाला की लाइव स्ट्रीमिंग?

मेट गाला में शामिल होने भले ही आप न्यूयॉर्क नहीं जा सकते हैं। लेकिन घर बैठे इसका लुत्फ उठा सकते हैं। मेट गाला की शाम को आप वॉग की ऑफिशियल वेबसाइट पर लाइव देख सकते हैं। इसके अलावा यूट्यूब और टिकटॉक पर भी इवेंट स्ट्रीम होगा। लाइव स्ट्रीम भारत में सुबह 3: 30 बजे से शुरु होगा।

त्वचा को चमकदार बनाने में सहायक हैं खीरे के फेस पैक, जानें बनाने का तरीका

खीरा एक ऐसा फल है, जो न केवल खाने में स्वादिष्ट होता है, बल्कि त्वचा की देखभाल के लिए भी बहुत फायदेमंद है। इसमें मौजूद विटामिन्स और मिनरल्स त्वचा को ताजगी और नमी प्रदान करते हैं। इसके अलावा खीरे के फेस पैक त्वचा की गहराई से सफाई करने और मुंहासों से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं। आइए खीरे के फेस पैक बनाने और इस्तेमाल करने का तरीका जानते हैं।

खीरे और नींबू का फेस पैक

सामग्रीः आधा खीरा, एक चम्मच नींबू का रस और एक चम्मच शहद। फेस पैक बनाने और इस्तेमाल करने का तरीकाः सबसे पहले खीरे को छीलकर छोटे टुकड़ों में काटें, फिर उसे मिक्सर में पीसकर उसका पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में नींबू का रस और शहद मिलाएं। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट तक छोड़ दें, फिर चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। यह पैक त्वचा को ताजगी और निखार देने में मदद कर सकता है।

खीरे और दही का फेस पैक

सामग्रीः आधा खीरा, दो चम्मच दही और एक चम्मच शहद। फेस पैक बनाने और इस्तेमाल करने का तरीकाः सबसे पहले खीरे को छीलकर उसके छोटे टुकड़े काट लें, फिर उसे मिक्सर में पीसकर उसका पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में दही और शहद मिलाकर अच्छे से मिला लें। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट तक छोड़ दें, फिर चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

खीरे और एलोवेरा का फेस पैक

सामग्रीः आधा खीरा, एक चम्मच एलोवेरा जेल और एक चम्मच शहद। फेस पैक बनाने और इस्तेमाल करने का तरीकाः सबसे पहले खीरे को छीलकर उसके छोटे टुकड़े काट लें, फिर उसे मिक्सर में पीसकर उसका पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में एलोवेरा जेल और शहद मिलाकर अच्छे से मिला लें। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट तक छोड़ दें, फिर चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

खीरे और गुलाब जल का फेस पैक

सामग्रीः आधा खीरा, एक चम्मच गुलाब जल और एक चम्मच शहद। फेस पैक बनाने और इस्तेमाल करने का तरीकाः सबसे पहले खीरे को छीलकर उसके छोटे टुकड़े काट लें, फिर उसे मिक्सर में पीसकर उसका पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में गुलाब जल और शहद मिलाकर अच्छे से मिला लें। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट तक छोड़ दें, फिर चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

खीरे और बेसन का फेस पैक

सामग्रीः आधा खीरा, एक चम्मच बेसन और एक चम्मच दही। फेस पैक बनाने और इस्तेमाल करने का तरीकाः सबसे पहले खीरे को छीलकर उसके छोटे टुकड़े काट लें, फिर उसे मिक्सर में पीसकर उसका पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में बेसन और दही मिलाकर अच्छे से मिला लें। इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाकर 15-20 मिनट तक छोड़ दें, फिर चेहरे को ठंडे पानी से धो लें। यह पैक त्वचा को चमकदार बनाने में मदद कर सकता है।

गंदे से गंदा कपड़ा भी फटाफटा होगा साफ, बस अपनाएं ये ट्रिक

गर्मियों में पसीने के दाग, किचन में तेल के छींटे, बच्चों के कपड़ों पर मिट्टी या स्याही के निशान।। ।ये सभी समस्याएं आम हैं। लेकिन कपड़े से इन दागों को हटाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। ऐसे में हम आपको कुछ सिंपल स्टेप बता रहे हैं, जिससे फटाफट कपड़े साफ हो जाएंगे।

कई बार ऐसा होता है कि हमारे पसंदीदा कपड़े जिद्दी दाग, तेल-ग्रेस या पसीने की बदबू के कारण इतने गंदे हो जाते हैं कि उन्हें साफ करना मुश्किल लगने लगता है। चाहे वो रोज पहनने वाले कपड़े हों या खास मौकों के लिए रखे गए आउटफिट। अगर उन पर लगे दाग हटते नहीं, तो मन भी खराब हो जाता है। ऐसे में हम महंगे डिटर्जेंट या बार-बार धोने का सहारा लेते हैं, लेकिन फिर भी मनचाहा रिजल्ट नहीं मिलता।

अगर आप भी गंदे और जिद्दी दागों से परेशान हैं और चाहते हैं कि बिना ज्यादा मेहनत और खर्च के आपके कपड़े एकदम नए जैसे दिखें, तो अब टेंशन लेने की जरूरत नहीं है। कुछ आसान और असरदार उपाय अपनाकर आप फटाफट कपड़ों को साफ और फ्रेश बना सकते हैं। आइए जानते हैं ऐसी ही 6 ट्रिक्स, जो आपके वॉशिंग रूटीन को पूरी तरह बदल देंगी।

दाग लगते ही क्या करें?

कपड़े में अगर अचानक से कुछ लग जाए तो उसे सिर्फ पानी से साफ करना काफी नहीं है। इसके लिए आप तुरंत साबुन लगाएं और हल्का सा रगड़े। इसके बाद पानी से धोएं। इससे दाग काफी हल्का पड़ जाएगा। वहीं, अगर हल्की, तेल या मसाले का दाग लग गया है तो नींबू का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

कपड़े से रंग छूटने की दिक्कत

अक्सर हम नया कपड़ा लाते हैं और जब उसे एक बार पहनने के बाद धोते हैं तो कपड़ा रंग छोड़ देता है। इससे वो कपड़ा तो खराब होता ही है। साथ ही दूसरे कपड़ों को भी पहनने लायक नहीं छोड़ता। अगर आप कपड़े को रंग छोड़ने से बचाना चाहते हैं तो पानी में नमक डालकर पहले कपड़े को उसमें भिगो दें। इससे रंग पक्का हो जाएगा।

तेल के दाग कैसे छुड़ाएं?

तेल के दाग छुड़ाना सबसे मुश्किल काम है। लेकिन अब आसानी से आप इसे साफ कर सकते हैं। इसके लिए आपको पानी को पहले हल्का गर्म करना है और फिर दाग पर डाल देना है। गर्म पानी से कपड़ा तेल छोड़ देता है और रगड़ने पर आसानी से छूट जाता है।

कपड़े की चमक रहेगी बरकरार

कुछ लोगों की शिकायत रहती है कि कपड़े धोने के बाद भी नए जैसे या बहुत ज्यादा साफ नहीं लगते हैं। इसके लिए आप पानी में बेकिंग सोडा डाल सकते हैं। इससे कपड़े ज्यादा और जल्दी साफ होते हैं। इस ट्रिक को एक बार आजमा कर जरूर देखें।

साबुन का सही मात्रा में यूज

कुछ लोगों को लगता है कि ज्यादा सुबन घिसने से कपड़े जल्दी साफ होते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है, ज्यादा साबुन लगाने से कपड़े की क्वालिटी खराब हो सकती है। ऐसे में जितना जरूरत हो उतना ही साबुन लगाएं।

फास्टैग ऐनुअल पास के नाम पर चल रहा बड़ा फर्जीवाड़ा, तुरंत जान लें एनएचएआई की ये एडवाइजरी

फास्टैग के ऐनुअल पास को लेकर देश भर में एक बड़ा ऑनलाइन स्कैम तेजी से फैल रहा है। इस धोखाधड़ी की गंभीरता को देखते हुए नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने आम जनता के लिए एक अलर्ट जारी किया है। जालसाज इस ठगी को अंजाम देने के लिए बिल्कुल असली दिखने वाली फर्जी वेबसाइट्स का सहारा ले रहे हैं। ये ठग इतने शातिर हैं कि पेड एडवर्टाइजमेंट और सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन ट्रिक्स का इस्तेमाल करके अपनी इन फर्जी वेबसाइट्स को गूगल सर्च रिजल्ट में सबसे ऊपर ले आते हैं। एनएचएआई ने सभी वाहन चालकों को भारी आर्थिक नुकसान से बचने के लिए केवल वेरिफाइड और आधिकारिक प्लेटफॉर्म्स का ही इस्तेमाल करने की सख्त हिदायत दी है।

संवेदनशील जानकारी मांगकर सीधा ठगों के खाते में जा रहा पैसा

इस स्कैम के तहत जब कोई यूजर इन फर्जी वेबसाइट्स पर पहुंचता है, तो उससे मोबाइल नंबर, गाड़ी के रजिस्ट्रेशन की जानकारी और बैंकिंग से जुड़ी संवेदनशील डिटेल्स मांगी जाती हैं। इन वेबसाइट्स का इंटरफेस इतना असली होता है कि यूजर आसानी से झांसे में आकर पेमेंट कर देता है और सारा पैसा सीधे स्कैमर्स के खाते में पहुंच जाता है। ठगी का शिकार होने के बाद कई मामलों में तो यूजर को कोई कन्फर्मेशन मैसेज तक नहीं मिलता या फिर उन्हें एक नकली रसीद थमा दी जाती है। इस पूरी प्रक्रिया के बाद भी यूजर के पास कोई वैलिड फास्टैग नहीं रह जाता।

गृह मंत्रालय की साइबर एजेंसी भी जता चुकी है चिंता

भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने भी इस बढ़ते खतरे को लेकर पहले ही चेतावनी जारी कर दी है। अधिकारियों के मुताबिक जालसाज हाईवे यूजर्स को अपना शिकार बनाने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग कर रहे हैं। साइबर ठगों ने अपने काम करने के तरीके को इतना एडवांस कर लिया है कि आम लोगों के लिए पहली नजर में असली और नकली वेबसाइट के बीच अंतर कर पाना लगभग नामुमकिन हो गया है। इसी वजह से लोग आसानी से इस बड़े जाल में फंस रहे हैं।

फ्रॉड से सुरक्षित रहने के लिए अपनाएं ये जरूरी कदम

एनएचएआई ने लोगों को इस ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के लिए कई जरूरी सावधानियां बरतने की सलाह दी है। अथॉरिटी के अनुसार फास्टैग ऐनुअल पास सर्विस के लिए हमेशा 'राजमार्गयात्रा' ऐप जैसे आधिकारिक सोर्स का ही इस्तेमाल करना चाहिए। इंटरनेट पर सर्च करते समय स्पॉन्सर्ड लिंक या किसी अनजान विज्ञापन पर क्लिक करने से पूरी तरह बचना चाहिए। अपनी कोई भी निजी या पेमेंट डिटेल दर्ज करने से पहले वेबसाइट का यूआरएल दो बार चेक करना बेहद जरूरी है। इसके अलावा किसी भी अनजान पोर्टल पर अपना ओटीपी, कार्ड डिटेल या लॉगिन आईडी बिल्कुल शेयर न करें। यदि कोई भी वेबसाइट आपको संदिग्ध लगती है या बेवजह की परमिशन मांगती है, तो बिना देर किए उसे तुरंत बंद कर देना ही समझदारी है।

एआई के युग में तेजी से गायब हो रही आईटी नौकरियां, मेटा और माइक्रोसॉफ्ट ने बनाया नई छंटनी का प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। मेटा और माइक्रोसॉफ्ट जैसी दिग्गज टेक्नोलॉजी कंपनियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में भारी निवेश के कारण हजारों आईटी नौकरियों को कम करने की तैयारी कर रही हैं। यह जानकारी कई रिपोर्ट्स में दी गई। मेटा ने अपने इटरनल मेमो में कर्मचारियों से कहा है कि कंपनी की योजना कुल वर्कफोर्स में से करीब 10 प्रतिशत या 8,000 नौकरियों में कटौती है, जो कि 20 मई से शुरू होगी। मार्क जुकरबर्ग के नेतृत्व वाली कंपनी ने अपने व्यापक पुनर्गठन अभियान के तहत लगभग 6,000 रिक्त पदों को न भरने का भी निर्णय लिया है।

दूसरी तरफ, माइक्रोसॉफ्ट ने भी अपने अमेरिकी कर्मचारियों के एक हिस्से को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का प्रस्ताव दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका में लगभग 7 प्रतिशत कर्मचारी इस कार्यक्रम के लिए पात्र हैं, जिससे मौजूदा कर्मचारियों की संख्या के आधार पर लगभग 8,750 कर्मचारी प्रभावित हो सकते हैं।

यह पुनर्गठन ऐसे समय में हो रहा है जब दोनों कंपनियां डेटा सेंटर और संबंधित तकनीकों सहित एआई इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च बढ़ा रही हैं। इसके अलावा, माइक्रोसॉफ्ट अपने वैश्विक डेटा सेंटर नेटवर्क का विस्तार कर रहा है, और हाल ही में जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे बाजारों में एआई से संबंधित निवेश की घोषणा की है।

इसी तरह, मेटा ने इस वर्ष रिकॉर्ड पूंजीगत व्यय का अनुमान लगाया है और हाल के महीनों में एआई भागीदारों के साथ कई अरबों डॉलर के सौदे किए हैं। इसके अलावा, दोनों कंपनियों ने पिछले दो वर्षों में कई चरणों में कर्मचारियों की छंटनी की है, क्योंकि वे एआई में बढ़ते निवेश के साथ लागत संरचनाओं को समायोजित कर रही हैं।

मुख्य मानव संसाधन अधिकारी जेनेल गेल द्वारा जारी मेटा के इंटरनल मेमो में इस कदम को दक्षता उपायों और निवेश संतुलन से जोड़ा गया है। उनके हवाले से कहा गया, हम कंपनी को अधिक कुशलता से चलाने और अपने अन्य निवेशों की भरपाई करने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत ऐसा कर रहे हैं।माइक्रोसॉफ्ट की मुख्य मानव संसाधन अधिकारी एमी कोलमैन ने कर्मचारियों को भेजे एक मेमो में कहा कि कंपनी बदलती प्राथमिकताओं के अनुरूप ढलने के लिए तेजी से कदम उठा रही है।

उन्होंने कहा, इस गति को बनाए रखने के लिए हमें उत्कृष्ट कार्य करने, अपने प्रबंधकों पर भरोसा करने और उन्हें सशक्त बनाने, और सभी का समर्थन करने के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

मेटा और माइक्रोसॉफ्ट दोनों अप्रैल के अंत में अपनी तिमाही आय रिपोर्ट जारी करने वाले हैं। इस बीच, एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि स्वैच्छिक शीघ्र सेवानिवृत्ति को प्रोत्साहित करने के अपने दीर्घकालिक प्रयास के तहत केपीएमजी अमेरिका में अपने ऑडिट पार्टनर पदों में लगभग 10 प्रतिशत की कटौती कर रहा है।

25 से 28 रुपये बढ़ जाएंगे पेट्रोल-डीजल के दाम? पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताई सच्चाई

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने गुरुवार को उन रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया गया था कि वर्तमान में चल रहे विधानसभा चुनावों के बाद, देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 25-28 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

इसे फेक न्यूज बताते हुए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की बात कही जा रही है। यह स्पष्ट किया जाता है कि सरकार के समक्ष ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

इस तरह की खबरें नागरिकों में भय और दहशत पैदा करने के उद्देश्य से फैलाई जाती हैं और ये शरारतपूर्ण और भ्रामक होती हैं। पोस्ट में अंत में लिखा, भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां पिछले चार वर्षों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि नहीं हुई है। भारत सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने भारतीय नागरिकों को अंतरराष्ट्रीय कीमतों में होने वाली तीव्र वृद्धि से बचाने के लिए लगातार कदम उठाए हैं।

इससे पहले दैनिक प्रेस ब्रीफिंग में बुधवार को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि देश में पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है और लोगों से अपील की है कि पेट्रोल-डीजल या गैस की जल्दबादी में खरीदारी न करें और केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें। सरकार के मुताबिक, देश भर में घरेलू एलपीजी, पीएनजी और सीएनजी की 100 प्रतिशत सप्लाई सुनिश्चित की जा रही है।

23 मार्च 2026 से अब तक 20 लाख से ज्यादा 5 किलो वाले छोटे गैस सिलेंडर (एफटीएल) बेचे जा चुके हैं, जो खासकर प्रवासी मजदूरों के लिए राहत का काम कर रहे हैं। सरकार ने इन सिलेंडरों की सप्लाई भी दोगुनी कर दी है ताकि जरूरतमंदों तक आसानी से गैस पहुंच सके। पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) के विस्तार पर भी तेजी से काम हो रहा है।

मार्च 2026 से अब तक करीब 5.10 लाख नए कनेक्शन चालू किए जा चुके हैं और 2.56 लाख अतिरिक्त कनेक्शन के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार हो चुका है। इसके अलावा, 5.77 लाख लोग नए कनेक्शन के लिए रजिस्ट्रेशन कर चुके हैं। सरकार कंपनियों के साथ मिलकर लोगों को पीएनजी अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। कई कंपनियां नए कनेक्शन पर ऑफर भी दे रही हैं। साथ ही राज्यों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे गैस कनेक्शन देने की प्रक्रिया को तेज करें।

समुद्री नाकाबंदी से बढ़ा तनाव: अमेरिकी युद्धपोत यूएसएस राफेल पेराल्टा ने ईरानी जहाज को रोका, सेंटकॉम ने की पुष्टि

फ्लोरिडा (अमेरिका)। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने पुष्टि की है कि अमेरिकी नौसेना के गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर USS राफेल पेराल्टा (DDG 115) ने एक ईरानी झंडे वाले जहाज को समुद्र में रोक दिया है। यह कार्रवाई एक विशेष समुद्री मिशन के तहत की गई, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव एक बार फिर बढ़ गया है।

अमेरिकी नौसेना के अनुसार, 24 अप्रैल को इस जहाज की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। रिपोर्ट में दावा किया गया कि यह जहाज ईरान के बंदरगाह की ओर जा रहा था, जिसके बाद उसे रोकने का निर्णय लिया गया। इसके बाद अमेरिकी युद्धपोत ने तुरंत कार्रवाई करते हुए जहाज को रोका और बोर्डिंग के जरिए उसकी जांच शुरू की।

ईरान पर समुद्री नाकाबंदी की रणनीति तेज

अमेरिकी अधिकारियों ने इस कार्रवाई को व्यापक समुद्री अभियान का हिस्सा बताया है। शुक्रवार को पेंटागन में हुई ब्रीफिंग के दौरान जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने कहा कि अमेरिका ईरान के खिलाफ सख्त समुद्री नाकाबंदी नीति लागू कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना किसी भी स्थिति में बड़े सैन्य अभियान को फिर से शुरू करने के लिए तैयार है, यदि राष्ट्रपति का आदेश मिलता है।

'डार्क फ्लीट' जहाजों पर भी नजर

जनरल केन ने बताया कि अमेरिका वैश्विक स्तर पर प्रतिबंधित और 'डार्क फ्लीट' जहाजों पर कार्रवाई कर रहा है। यह अभियान 8 अप्रैल से शुरू हुआ था। अब तक 34 जहाजों को रोका जा चुका है, जिनमें से कई ने अमेरिकी चेतावनी के बाद वापस लौटने का फैसला किया।

समुद्र में बड़ी सैन्य कार्रवाई

अमेरिकी सेना ने हाल ही में मोटर वेसल तोस्का को भी जब्त किया था। चेतावनी के बावजूद जब जहाज नहीं रुका तो अमेरिकी मरीन ने हेलीकॉप्टर के जरिए तेजी से कार्रवाई करते हुए जहाज पर नियंत्रण हासिल कर लिया।

इसके अलावा 20 अप्रैल को Tiffany टैंकर को रोका गया, जिसमें कथित रूप से प्रतिबंधित ईरानी तेल मौजूद था। वहीं 22 अप्रैल को इंडियन ओशन में एक और जहाज Majestic X (Ponix) को भी जब्त किया गया।

अमेरिका की सख्त चेतावनी

सेंटकॉम ने साफ किया है कि किसी भी देश का जहाज यदि ईरान के बंदरगाहों की ओर जाता है या वहां से निकलता है, तो उसे रोका जाएगा। अमेरिकी सेना लगातार ऐसे जहाजों पर नजर रख रही है जो इस क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों में शामिल हैं।

1983 हमले को भी किया याद

ब्रीफिंग के दौरान जनरल डैन केन ने 1983 में बेरूत में अमेरिकी दूतावास पर हुए बम हमले का भी उल्लेख किया और शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना अपने कर्मियों की बहादुरी और समर्पण को हमेशा याद रखती है और वर्तमान अभियानों में शामिल सैनिकों पर गर्व करती है।

ईरान के साथ तनाव के बीच पश्चिम एशिया में यूएस ने उतारी बड़ी सेना, सेंट्रल कमांड की पोस्ट ने बढ़ाई हलचल

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान के साथ जारी संघर्ष के चलते अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अपनी बड़ी सेना उतारी हुई है। अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी कर पश्चिम एशिया में तैनात अपने युद्धपोतों और लड़ाकू विमानों समेत सैनिकों आदि की जानकारी साझा की है। इससे साफ है कि अमेरिका, ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति बना रहा है।

अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर बताया है कि उनके तीन शक्तिशाली युद्धपोत यूएसएस लिंकन, यूएसएस फोर्ड और यूएसएस बुश पश्चिम एशिया में तैनात हैं। इनके साथ 200 लड़ाकू विमान, जिनमें एफ-18 और सुपर हॉर्नेट जैसे लड़ाकू विमान शामिल हैं। साथ ही अमेरिका ने 18जी ग्रोलर विमान भी तैनात किए हैं, जो इलेक्ट्रोनिक वारफेयर एयरक्राफ्ट हैं। साथ ही अमेरिका ने एफ-35सी लड़ाकू विमान, हॉकआई अर्ली वार्निंग विमान, सी हॉक हेलीकॉप्टर और डिलीवरी एयरक्राफ्ट सीएमवी ओस्प्रे शामिल हैं।

साथ ही समुद्री ताकत की बात करें तो अमेरिकी सेना ने निमित्ज क्लास और फोर्ड क्लास के एयरक्राफ्ट कैरियर समेत 12 युद्धक जहाज भी तैनात किए हैं। इनके साथ अमेरिका के 15 हजार नाविक और मरीन्स भी तैनात हैं। साल 2003 के बाद पहली बार अमेरिकी सेना ने पश्चिम एशिया में तीन युद्धपोत तैनात किए हैं। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच फिलहाल युद्धविराम चल रहा है। हालांकि अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान की नाकाबंदी की हुई है। जिससे तनाव बना हुआ है और शांति वार्ता की कोशिशें जारी हैं।

वीजा सिस्टम में बदलाव की मांग, क्या H-1B पर लग जाएगा 3 साल का ब्रेक?

वॉशिंगटन, एजेंसी। रिपब्लिकन सांसदों के एक समूह ने H-1B वीजा जारी करने पर तीन साल के लिए रोक लगाने और इस प्रोग्राम में बड़े बदलाव करने के लिए एक बिल पेश किया है। उनका तर्क है कि इस प्रोग्राम से अमेरिकी कर्मचारियों को नुकसान हुआ है। एली क्रेन की तरफ से पेश किए गए प्रस्तावित 'End H-1B Visa Abuse Act of 2026' वीजा सिस्टम को फिर से शुरू करने से पहले उसे नए सिरे से व्यवस्थित करने और उसमें ज्यादा सख्त नियम लागू करने का प्रस्ताव करता है।

क्रेन ने कहा कि केंद्र सरकार को मेहनती नागरिकों के लिए काम करना चाहिए, न कि बड़ी-बड़ी कंपनियों के मुनाफे के लिए। अमेरिकी लोगों के प्रति हमारी ये जिम्मेदारी है कि हम इस खराब H-1B सिस्टम को उन्हें उन नौकरियों से बाहर करने से रोकें, जिनके लिए वे पूरी तरह से योग्य हैं।

कई रिपब्लिकन सांसदों का मिला समर्थन

क्रेन ने कहा कि ये बिल रोजगार के ज्यादा अवसर देगा। वीजा प्रक्रिया के नियमों को मजबूत करेगा और अमेरिकियों की आजीविका को प्राथमिकता देगा। इस कानून को कई रिपब्लिकन सांसदों का समर्थन मिला है, जिनमें ब्रैंडन गिल, पॉल गोसर और एंडी ओगल्स शामिल हैं। गिल ने कहा कि मुझे इस बात पर गर्व है कि मैं सांसद एली क्रेन के हमारे H-1B वीजा सिस्टम में सुधार और उसे सख्त बनाने के प्रयासों के सह-प्रायोजक हैं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करेगा कि हमारा इमिग्रेशन सिस्टम विदेशियों से पहले अमेरिकी कामगारों के हितों की रक्षा करे। यह बिल बड़े बदलावों का प्रस्ताव करता है। यह सालाना H-1B सीमा को 65,000 से घटाकर 25,000 कर देगा और सभी छूटों को खत्म कर देगा। यह लॉटरी सिस्टम की जगह वेतन-आधारित चयन प्रक्रिया लागू करेगा और सालाना कम से कम $200,000 का वेतन तय करेगा।

'सस्ते विदेशी कर्मचारियों को रखा जा रहा'

एम्प्लॉयर को यह प्रमाणित करना होगा कि उन्हें कोई योग्य अमेरिकी कर्मचारी नहीं मिल पा रहा है और उन्हें यह भी पुष्टि करनी होगी कि उन्होंने कर्मचारियों की छंटनी नहीं की है। यह बिल H-1B कर्मचारियों को एक से ज्यादा नौकरियां करने से भी रोकेगा और थर्ड-पार्टी स्टाफिंग एजेंसियों द्वारा उन्हें नौकरी पर रखने पर भी रोक लगाएगा। दूसरे प्रावधानों में H-1B कर्मचारियों द्वारा अपने आश्रितों को साथ लाने पर प्रतिबंध, 'ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग' (OPT) कार्यक्रम को समाप्त करना और वीजा धारकों को स्थायी नागरिकता प्राप्त करने से रोकना शामिल है।

'यूक्रेन की आड़ में पश्चिम ने रूस के खिलाफ छेड़ा युद्ध', विदेश मंत्री सर्गेई ने यूरोप पर साधा निशाना

मॉस्को, एजेंसी। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने पश्चिमी देशों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि यूक्रेन की आड़ में रूस के खिलाफ खुला युद्ध छेड़ा जा चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका और उसके सहयोगी देश यूक्रेन को मोर्चे पर आगे रखकर रूस को कमजोर करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं।

लावरोव ने यह बयान रूसी गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में दिया। उन्होंने कहा कि कीव शासन को पश्चिमी देश भाले की नोक की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन वह पश्चिमी हथियारों, खुफिया सूचनाओं, सैटेलाइट सिस्टम, सैन्य प्रशिक्षण और आर्थिक मदद के बिना टिक नहीं सकता। उनके मुताबिक, रूस के खिलाफ यह संघर्ष अब केवल परोक्ष नहीं बल्कि खुला और संगठित अभियान बन चुका है।

उन्होंने दावा किया कि कुछ यूरोपीय सैन्य अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से रूस के खिलाफ युद्ध की तैयारी की बात कही है, जबकि यूक्रेन इस बीच पश्चिमी देशों के लिए समय जुटाने का माध्यम बना हुआ है। लावरोव ने कहा कि यूरोप की मौजूदा नीतियां वैश्विक अस्थिरता को बढ़ा रही हैं।

वैश्विक खतरा तीसरी बार यूरोप से पैदा हो रहा है

रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि आधुनिक इतिहास में तीसरी बार वैश्विक खतरा यूरोप से पैदा हो रहा है। उनका आरोप था कि पश्चिमी शक्तियां यूक्रेन को बड़े संघर्ष का केंद्र बनाने की कोशिश कर रही हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ सकता है।

धार्मिक मुद्दों पर भी की आलोचना

धार्मिक मुद्दों पर भी लावरोव ने पश्चिम और यूक्रेन की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में यूक्रेनी ऑर्थोडॉक्स चर्च के खिलाफ कई वर्षों से कार्रवाई जारी है। चर्चों पर कब्जे, तोड़फोड़, पादरियों और श्रद्धालुओं पर हमलों का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि वहां 180 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें कई वरिष्ठ धर्मगुरु भी शामिल हैं।

यूरोपीय संघ ने यूक्रेन को दी सहायता पैकेज

इसी बीच यूरोपीय संघ ने यूक्रेन के लिए 90 अरब यूरो के बड़े सहायता पैकेज को मंजूरी दे दी है। इस राशि में 30 अरब यूरो यूक्रेन की आर्थिक मदद के लिए और 60 अरब यूरो रक्षा उत्पादन क्षमता बढ़ाने तथा सैन्य उपकरण खरीदने के लिए खर्च किए जाएंगे। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने कहा कि यूरोप यूक्रेन के समर्थन में पूरी तरह एकजुट है और पीछे नहीं हटेगा। साथ ही यूरोपीय परिषद ने रूस पर 20वें प्रतिबंध पैकेज को भी मंजूरी दी है, जिसका मकसद मॉस्को की आर्थिक और सैन्य क्षमता पर दबाव बढ़ाना है।

अमेरिका पर भी लगाए गंभीर आरोप

लावरोव ने अमेरिका पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि अमेरिका दुनिया के कई देशों में लोकतंत्र या सुरक्षा के नाम पर दखल देता है, लेकिन असली मकसद प्राकृतिक संसाधनों, खासकर तेल और ऊर्जा बाजारों पर नियंत्रण हासिल करना होता है।

आईआरसीटीसी का स्पेशल ऑफर : अभी टिकट बुक कराओ और 20 फीसदी छूट पाओ

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप इस साल अंत में या अगले साल शुरू में धार्मिक स्थलों का भ्रमण का प्लान बना रहे हैं तो यह खबर आपके काम की हो सकती है। इससे आपको आर्थिक फायदा होगा। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) एक खास ऑफर लेकर आया है, जिसके तहत बौद्ध सर्किट के लिए स्पेशल टूरिस्ट ट्रेन चलाने जा रहा है। इसमें टिकट बुक कराने वालों को 20 फीसदी का छूट दी जा रही है। यानी अगर आप टिकट बुक कराते हैं तो फायदा होगा।

आईआरसीटीसी ने यात्रियों के लिए खास प्रमोशनल ऑफर दिया है। इसके तहत बौद्ध सर्किट स्पेशल टूरिस्ट ट्रेन के चुनिंदा प्रस्थानों पर 20 फीसदी तक की छूट दी जा रही है। यह ऑफर 19 दिसंबर 2026, 2 जनवरी 2027, 20 फरवरी 2027 और 20 मार्च 2027 को शुरू होने वाली ट्रेनों के लिए लागू किया गया है।

आईआरसीटीसी का यह आफर 7 रात और 8 दिन का ऑल-इंक्लूसिव टूर आध्यात्म, विरासत और लग्जरी यात्रा का अनोखा संगम है। यह यात्रा दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से शुरू होगी और भगवान बुद्ध के जीवन से जुड़े प्रमुख तीर्थ स्थलों का भ्रमण कराएगी।

इस सफर में बोधगया, नालंदा (राजगीर), वाराणसी (सारनाथ), लुंबिनी, कुशीनगर और श्रावस्ती जैसे ऐतिहासिक और धार्मिक स्थान शामिल हैं। यात्रा के अंत में यात्रियों को आगरा स्थित विश्व प्रसिद्ध ताज महल के भी दर्शन कराए जाएंगे।

ये हैं खासियत

यह डीलक्स टूरिस्ट ट्रेन पूरी तरह एसी होगी और इसमें 12 मॉर्डन एलएचबी कोच लगाए गए हैं। ट्रेन में यात्रियों की सुविधा के लिए हाईटेक सुविधाएं, साफ-सुथरे टॉयलेट और शॉवर, हाइजेनिक किचन कार और आकर्षक डाइनिंग कार मौजूद हैं। यात्रियों के लिए एसी फर्स्ट क्लास और एसी सेकेंड क्लास उपलब्ध हैं। एसी फर्स्ट कोच में निजी केबिन, कूपे और व्यक्तिगत लॉकर जैसी सुविधाएं दी गई हैं, जबकि एसी सेकेंड कोच को भी अधिक आरामदायक बनाने के लिए विशेष डिजाइन किया गया है।

निष्पक्षता बनाए रखने में नाकाम... अभिषेक बनर्जी के क्षेत्र के 5 अधिकारियों के खिलाफ एक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दौरान बड़ी कार्रवाई की है। आयोग ने गंभीर कदाचार और निष्पक्षता बनाए रखने में विफल रहने के आरोप में पांच पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू की है। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के डायमंड हार्बर जिले में तैनात पांच पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। आयोग ने इन अधिकारियों पर गंभीर कदाचार और चुनावी प्रक्रिया में निष्पक्षता बनाए रखने में विफल रहने का आरोप लगाया है। खास बात ये है कि डायमंड हार्बर टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी का गढ़ माना जा है।

जिन अधिकारियों को निलंबित किया गया है, उनमें संदीप गरई, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (डायमंड हार्बर); सजल मंडल, उप-मंडल पुलिस अधिकारी (डायमंड हार्बर); मौसम चक्रवर्ती, डायमंड हार्बर पुलिस स्टेशन के प्रभारी निरीक्षक; अजय बाग, फाल्टा पुलिस स्टेशन के प्रभारी निरीक्षक; और सुभेच्छा बाग, उस्थी पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी शामिल हैं।

चुनाव आयोग ने इन सभी अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी शुरू कर दी है। आयोग ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को भेजे निर्देश में कहा कि इन अधिकारियों का आचरण चुनावी निष्पक्षता के मानकों के खिलाफ पाया गया है, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

एसपी इशानी पाल को चेतावनी

इसके अलावा, डायमंड हार्बर की पुलिस अधीक्षक इशानी पाल को भी अधीनस्थ अधिकारियों पर नियंत्रण और निष्पक्षता सुनिश्चित न करने के आरोप में चेतावनी जारी की गई है। आयोग ने पूरे मामले में तत्काल कार्रवाई कर शनिवार सुबह 11 बजे तक अनुपालन रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है।

बंगाल और तमिलनाडु में अधिक मतदान दर्ज

इससे पहले मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने गुरुवार को कहा था कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में आजादी के बाद से अब तक का सबसे अधिक मतदान दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र के लिए बेहद सकारात्मक संकेत है। चुनाव आयोग ने कहा कि 23 अप्रैल को पहले चरण में मतदान करने वाले 44,376 मतदान केंद्रों में से किसी में भी दोबारा मतदान की सिफारिश नहीं की गई है।

पश्चिम बंगाल में 92.9% मतदान

चुनाव आयोग के अनुसार, पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान में 92.9 प्रतिशत वोटिंग दर्ज की गई। मतदान केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान समाप्त होने के साथ ही भारी मतदान के आंकड़े एक सक्रिय चुनावी प्रक्रिया को रेखांकित करते हैं। बंगाल के कई जिलों में 90 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया। दक्षिण दिनाजपुर 94.85% के साथ सबसे आगे रहा, उसके बाद कूच बिहार 94.54%, बीरभूम 93.70%, जलपाईगुड़ी 93.23% और मुर्शिदाबाद 92.93% रहा।

कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुआ मतदान

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु की विधानसभा सीटों पर कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। तमिलनाडु की 234 और पश्चिम बंगाल की 152 सीटों पर मतदान पूरा हो चुका है, जबकि बंगाल की शेष 142 सीटों पर 29 मई को वोटिंग होगी। दोनों राज्यों के चुनाव नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

रणबीर कपूर की रामायण अंग्रेजी संस्करण में देगी दस्तक, रिलीज पर आया ये अपडेट

रणबीर कपूर की पौराणिक महाकाव्य रामायण 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से है। फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है और अभिनेता की पहली झलक कुछ दिन पहले जारी हुई थी। कुछ दिन पहले सुपरस्टार यश ने इसकी रिलीज पर कहा था कि यह अक्टूबर, 2026 के आखिरी हफ्ते में आ सकती है। अब, द फिथियन ग्रुप एलएलसी के संस्थापक पार्टनर जॉन फिथियन ने फिल्म के अंग्रेजी संस्करण की रिलीज पर बात की है।

कुछ दिन पहले, जॉन ने लिंक्डइन पर एक पोस्ट साझा करते हुए रामायण की तारीफ की थी और सिनेमाकॉन, 2026 में फिल्म के वैश्विक प्रदर्शन का हिस्सा बनने को याद किया था। जब प्रशंसकों ने उनसे फिल्म के अंग्रेजी संस्करण की रिलीज पर सवाल पूछा तो उन्होंने कहा, अभी तय नहीं है। अंतरराष्ट्रीय वितरण और मार्केटिंग को लेकर इस हफ्ते बैठकें होंगी। लेकिन ऑस्ट्रेलिया में यह व्यापक रूप से उपलब्ध होगी। अंग्रेजी संस्करण 8 नवंबर को रिलीज हो सकता है।

जॉन ने पुष्टि नहीं की, लेकिन 8 नवंबर को अंग्रेजी संस्करण रिलीज होने का संकेत जरूर दिया है। यह तारीख फिल्म निर्माताओं द्वारा 2026 की दिवाली पर फिल्म को रिलीज किए जाने की योजना से मेल खाती है। नमित मल्होत्रा द्वारा निर्मित फिल्म रामायणः भाग 1 में रणबीर को श्रीराम के किरदार में देखा जाएगा और माता सीता के किरदार में साई पल्लवी दिखेंगी। वहीं यश रावण के किरदार में नजर आएंगे। इसका दूसरा भाग दिवाली, 2027 में रिलीज होगा।

अभिनेत्री हंसिका मोटवानी ने याद किए पुराने दिन, इन दो शोज को बताया करियर का टर्निंग पॉइंट

अभिनेत्री हंसिका मोटवानी ने अपनी मेहनत से खुद को स्थापित किया है। बाल कलाकार के रूप में करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री हंसिका मोटवानी ने इंडस्ट्री में काफी समय गुजारा है। अपने सफर को याद करते हुए अभिनेत्री ने एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पॉडकास्ट का क्लिप शेयर किया। इसमें उन्होंने बताया कि वे खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्होंने बहुत छोटी उम्र से ही काम करना शुरू कर दिया था। अभिनेत्री कहती हैं, मैं इसे ब्लेसिंग ही मानती हूं कि मैं बहुत जल्द ही एक बाल कलाकार बनी। मैं खुद को हमेशा एक बाल कलाकार के तौर पर देखती हूं। मैंने सिर्फ 8 साल की उम्र में ही काम शुरू कर दिया था। इसी वजह से मैं इस इंडस्ट्री से जुड़ गई।

उन्होंने आगे कहा कि इस बात का सबसे अच्छा पहलू यह रहा कि उन्होंने इंडस्ट्री को दोनों दौर में देखा। उन्होंने कहा, एक दौर में जब मैगजीन पर कैमरा होता था और आज के डिजिटल युग में, मैं अपने आपको बहुत खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे बहुत अच्छे लोग मिले। उस समय टीवी बहुत बड़ा था। डेली सोप्स और किशोरों पर आधारित धारावाहिकों का खूब बोलबाला था।

अभिनेत्री ने दो शो का जिक्र किया, जो उनके करियर के लिए बहुत सफल रहे थे। उन्होंने कहा, शाका लाका बूम बूम और दूसरा देश में निकला होगा चांद से मुझे काफी लोकप्रियता मिली थी।

उन्होंने अपनी बात को खत्म करते हुए कहा, मैं खुशकिस्मत थी कि उस दौर में भी मेरे आस-पास हमेशा अच्छे लोग रहे। इन शोज ने मुझे घर-घर में लोकप्रिय बना दिया।

हंसिका मोटवानी ने अपने करियर की शुरुआत लोकप्रिय बाल कलाकार के रूप में की थी, जो बाद में दक्षिण भारतीय सिनेमा (तमिल और तेलुगु) की एक प्रमुख अभिनेत्री बन गईं। उन्होंने टेलीविजन शो शाका लाका बूम बूम, देश में निकला होगा चांद और ऋतिक रोशन के साथ फिल्म कोई मिल गया में अभिनय किया।

मनोज बाजपेयी के बर्थडे पर विपुल अमृतलाल शाह की गवर्नर से फर्स्ट पोस्टर आउट, 12 जून को रिलीज होगी फिल्म

विपुल अमृतलाल शाह ने कई लीक से हटकर फिल्में दी हैं और अब वो एक और दिलचस्प प्रोजेक्ट लेकर आने के लिए तैयार हैं। ताजा अपडेट के मुताबिक, उनकी आने वाली फिल्म के पोस्टर्स सामने आ गए हैं, जिसमें फिल्म के नाम के साथ-साथ एक रहस्यमयी सस्पेंस भी नजर आ रहा है। गवर्नरः द साइलेंट सेवियर नाम की इस फिल्म ने मनोज बाजपेयी के जन्मदिन के मौके पर अपने पहले पोस्टर के साथ ही लोगों के बीच जबरदस्त उत्सुकता पैदा कर दी है।

बिना ज्यादा कुछ बताए बहुत कुछ कह जाने वाला गवर्नरः द साइलेंट सेवियर का यह पहला पोस्टर रिवील कर दिया गया है, जिसे चिन्मय मांडलेकर ने डायरेक्ट किया है। इसमें मनोज बाजपेयी पीछे से नजर आ रहे हैं, जो हाथ में एक सूटकेस लिए कॉरिडोर में चल रहे हैं। इसके साथ ही फिल्म की टैगलाइन है, अगर मैं फेल हुआ... तो इंडिया फेल हो जाएगा, जो एक हाई-वोल्टेज लीगल ड्रामा की तरफ इशारा करती है। एक दूसरे पोस्टर में, एक हरी कुर्सी को हाईलाइट किया गया है, जिस पर टैगलाइंस लिखी हैं, इंडिया दिवालिया होने की कगार पर है और यह सिर्फ कुर्सी नहीं।।। ज़िम्मेदारी है, यह देश के इर्द-गिर्द बुनी गई एक गंभीर और गहरी कहानी की ओर इशारा करता है। यह फिल्म विपुल अमृतलाल शाह और मनोज बाजपेयी का पहला साथ काम होगा। जब ये दो नेशनल अवॉर्ड विनर्स एक साथ आ रहे हैं, तो वाकई यह एक अलग तरह का सिनेमाई जादू होने वाला है, जो बड़े पर्दे पर रिलीज के लिए तैयार है।

मनोज बाजपेयी के जन्मदिन पर फिल्म का पोस्टर रिलीज होने से यह मौका वाकई और भी खास हो गया है। अपनी बेहतरीन एक्टिंग, जबरदस्त स्क्रीन प्रेजेंस और किरदारों पर अपनी पकड़ के लिए मशहूर मनोज बाजपेयी, इस फिल्म में भी एक यादगार परफॉर्मेंस देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने पहले ही अपनी शानदार एक्टिंग से इंडस्ट्री में एक बड़ा मुकाम हासिल किया है।

सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले बन रही यह फिल्म एक और इंटेंस ड्रामा होने का वादा करती है। इस फिल्म के साथ विपुल अमृतलाल शाह एक बार फिर एक दिलचस्प कहानी लेकर वापस आ रहे हैं। इसके अलावा, फिल्ममेकर का मनोज बाजपेयी के जन्मदिन पर पोस्टर रिलीज करना साउथ इंडस्ट्री के उस ट्रेंड की याद दिलाता है, जहां एक्टर्स के जन्मदिन पर फिल्म की खास झलकियां शेयर की जाती हैं, जो फैंस के लिए इस तारीख को यादगार बना देता है।

विपुल अमृतलाल शाह के प्रोडक्शन वाली फिल्म गवर्नरः द साइलेंट सेवियर को सनशाइन पिक्चर्स द्वारा पेश किया गया है। विपुल अमृतलाल शाह द्वारा प्रोड्यूस और चिन्मय मांडलेकर द्वारा निर्देशित इस फिल्म के को-प्रोड्यूसर आशिन ए। शाह हैं। फिल्म की कहानी सुवेंदु भट्टाचार्जी, सौरभ भरत, रवि असरानी और विपुल अमृतलाल शाह ने मिलकर लिखी है। जावेद अख्तर के बोल के साथ, फिल्म का म्यूजिक अमित त्रिवेदी ने तैयार किया है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com